RNI No. MPHIN/25/A4421

दैनिक दिव्य संवाद

वर्ष 01 अंक: 46 | उज्जैन मंगलवार दिनांक 24 मार्च 2026 फालगुन मास शुक्ल पक्ष षष्ठमी संवत् 2083 | पृष्ठ: 8 मूल्य :02 रूपये

प्रदेशवासियों को भारतीय सेना की समृद्ध विरासत से परिचित कराना और प्रदेश के युवाओं को सेना में शामिल होने के लिए प्रेरित करना जरूरी : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल में सेना दिवस 15 जनवरी 2027 को होगी नई दिल्ली की 26 जनवरी जैसी परेड

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय सेना ने हर मौके और मोर्चे पर अदम्य साहस, शौर्य और सामर्थ्य का प्रदर्शन किया है। देश के हर व्यक्ति और परिवार के लिए भारतीय सेना की शौर्य और बलिदान की परंपरा से जुड़ना गर्व का विषय है। प्रदेशवासियों को भारतीय सेना की समृद्ध सैन्य विरासत से परिचित कराने और प्रदेश के युवाओं को भारतीय सेना में शामिल होने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से आगामी सेना दिवस 15 जनवरी 2027 को भोपाल में विशेष परेड आयोजित की जाएगी। भोपाल में सेना दिवस पर होने वाले इन कार्यक्रमों में शामिल होने का अनुभव, गणतंत्र दिवस 26 जनवरी पर नई दिल्ली के कर्तव्य पथ पर होने वाले कार्यक्रमों के समान होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश की राजधानी भोपाल में होने वाले इस आयोजन के लिए राज्य सरकार, भारतीय सेना को हरसंभव सहयोग प्रदान करेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव, मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन और चीफ ऑफ आर्मी स्टॉफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी की उपस्थिति में मुख्यमंत्री समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय श्री नीरज मंडलोई, पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाना तथा सेना के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में हुई सैन्य अधिकारियों की बैठक में सेना प्रमुख, जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने बताया कि आगामी सेना दिवस 15 जनवरी को भोपाल में भव्य सेना दिवस परेड आयोजित की जाएगी। इसके साथ ही शौर्य संध्या, सेना के हथियारों संसाधनों और उपकरणों पर केंद्रित प्रदर्शनी तथा सैन्य अभ्यास का प्रदर्शन भी होगा। सेवानिवृत्त सैनिकों का सम्मान भी किया जाएगा। सभी गतिविधियां गणतंत्र दिवस 26 जनवरी पर नई दिल्ली में होने वाले कार्यक्रमों की भव्यता और गरिमा के समान संचालित की जाएगी। कार्यक्रम में देश के रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह भी शामिल होंगे। यह आयोजन भारतीय सेना की समृद्ध वीरता और सैन्य परंपरा के प्रदर्शन, सैन्य परेड से जन-जन को जोड़ने, सेना और नागरिक प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय एवं पारस्परिक विश्वास की भावना विकसित करने और युवाओं को भारतीय सेना में शामिल होने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से किया जा रहा है। बैठक में बताया गया कि सेना दिवस 15 जनवरी 2027 पर होने वाले इन कार्यक्रमों की शुरुआत 1 नवंबर मध्यप्रदेश स्थापना दिवस से होगी। स्थापना दिवस पर मेरी माटी अभियान के अंतर्गत प्रदेश के विभिन्न जिलों से मिट्टी लाकर भोपाल स्थित शौर्य स्मारक में संकल्प वृक्ष लगाया जाएगा। सेना दिवस 15 जनवरी की परेड के लिए 9,11 और 13 जनवरी को अभ्यास होगा। इसी प्रकार 15 जनवरी की शौर्य संध्या के लिए 11 और 13 जनवरी को अभ्यास का क्रम रखा गया है। सैन्य प्रदर्शनी का आयोजन 7 से 12 जनवरी तक होगा। भोपाल के बड़े तालाब में 11 और 12 जनवरी को सैन्य अभ्यास होगा। सेना की परेड के लिए अटल पथ, एयरोसिटी रोड, भेल कालीबाड़ी मार्ग और भेल लिंक रोड प्रस्तावित किए गए हैं। शौर्य संध्या का आयोजन टी.टी. नगर स्टेडियम में और सैन्य प्रदर्शनी जम्बूरी मैदान में लगाई जाएगी। बड़े तालाब पर वॉटर स्पोर्ट्स, एयर शो और सैन्य अभ्यास गतिविधियां होंगी। प्रारंभिक कार्यक्रम के रूप में प्रदेश के स्थापना दिवस 1 नवंबर 2026 को होने वाले मेरी माटी अभियान के अंतर्गत हॉट एयर बैलून गतिविधि, मोटर साइकिल रैली, दौड़ तथा अन्य गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

सेना दिवस सेना दिवस प्रतिवर्ष 15 जनवरी को जनरल केएम करियप्पा द्वारा वर्ष 1949 में भारतीय सेना के अंतिम ब्रिटिश कमांडर-इन-चीफ जनरल सर एफआरआर बुचर से भारतीय सेना की कमान संभालने की याद में मनाया जाता है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के एक भारत-श्रेष्ठ भारत के विचार को सशक्त करने और सेना व नागरिकों के संबंधों को सुदृढ़ करते हुए भारतीय सेना में राष्ट्रव्यापी जनभागीदारी को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय आयोजनों के विकेन्द्रीकरण की यह पहल वर्ष 2023 से आरंभ हुई। ऐसे आयोजन देश के लिए शहीद हुए शूरवीरों का स्थानीय स्तर पर सम्मान करने और उन्हें याद करने का भी अवसर देते हैं। सेना दिवस पर इस प्रकार की पहली परेड बैंगलुरू में वर्ष 2023 में, लखनऊ में 2024 में, पुणे में 2025 में और 2026 में जयपुर में आयोजित की गई। इन आयोजनों से युवाओं को भारतीय सेना में सेवाएं देने के लिए प्रेरित करने में भी मदद मिली है। बैठक में लेफ्टिनेंट जनरल संदीप जैन, लेफ्टिनेंट जनरल अरविंद चौहान, लेफ्टिनेंट जनरल रंजीत सिंह, मेजर जनरल विकास लाल, ब्रिगेडियर नितिन भाटिया, कर्नल सौरभ कुमार, सन्नी जुनेजा, राजेश बंडले तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

मौसम आज

तापमान

न्यूनतम - 16 डि.से.
अधिकतम - 35 डि.से.

न्यूज गैलरी

दिल्ली में जल संकट- कई इलाकों में दो दिनों तक नहीं आएगा पानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली जल बोर्ड ने वार्षिक रखरखाव कार्यक्रम के तहत अंडरग्राउंड रिजर्वोयर (यूजीआर) और बूस्टर पंपिंग स्टेशनों (बीपीएस) की फ्लशिंग (सफाई) का काम शुरू किया है। इसी वजह से राजधानी के उत्तर-पश्चिमी इलाकों में 23 और 24 मार्च 2026 को पानी की आपूर्ति प्रभावित रहेगी। डीजेबी ने एक पोस्टर जारी कर प्रभावित क्षेत्रों की सूची साझा की है और निवासियों से पहले से पर्याप्त पानी स्टोर करने की अपील की है। असुविधा के लिए बोर्ड ने खेद भी जताया है और सहयोग की उम्मीद जताई है।

तमिलनाडु में NDA का फॉर्मूला तय, AIADMK 178 सीटों पर लड़ेगी चुनाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव 2026 के लिए एनडीए में सीटों का बंटवारा सोमवार को अंतिम रूप से तय हो गया है। कुल 234 सीटों वाली विधानसभा में गठबंधन की प्रमुख पार्टी अन्नाद्रमुक (अन्नाद्रमुक) ने सबसे बड़ा हिस्सा बरकरार रखते हुए 178 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारने का फैसला किया है।

भाजपा को 27 सीटें मिली हैं, जबकि पट्टाली मक्कल काची (पीएमके) को 18 और अम्मा मक्कल मुनेत्र कड़गम (एएमएमके) को 11 सीटें आवंटित की गई हैं। यह समझौता चेन्नई में केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल और अन्नाद्रमुक प्रमुख एडप्पादी के. पलानीस्वामी की मौजूदगी में हुआ। केंद्रीय मंत्री और बीजेपी के तमिलनाडु प्रभारी पीयूष गोयल ने 23 मार्च को आगामी तमिलनाडु विधानसभा चुनावों के लिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के सीट-बंटवारे के समझौते के तहत पार्टी को मिली 27 सीटों पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह गठबंधन चुनावों में शानदार जीत हासिल करेगा।

पीएम मोदी की अध्यक्षता में हुई सीसीएस की बैठक, कालाबाजारी-जमाखोरी रोकने के निर्देश

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान और इजरायल-अमेरिका के बीच लंबे खिंचते युद्ध को देखते हुए भारत सरकार अब और सतर्कता बरतती नजर आ रही है। पश्चिम एशिया के हालात का असर धीरे-धीरे यहां बाजार से लेकर आपूर्ति श्रृंखला पर बढ़ने की आशंका है। इसे देखते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कैबिनेट की सुरक्षा मामलों की समिति (सीसीएस) की बैठक की अध्यक्षता की।

वर्तमान परिस्थितियों की समीक्षा करते हुए प्रधानमंत्री ने बेहतर आपूर्ति, लॉजिस्टिक और वितरण प्रणाली बनाए रखने पर जोर दिया। उन्होंने संबंधित मंत्रियों से सतत नजर बनाए रखते हुए पेट्रोलियम पदार्थों, गैस, ऊर्जा, खाद आदि की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने को कहा। पश्चिम एशिया के चिंताजनक हालात का असर मुख्यतः पेट्रोलियम पदार्थों, ऊर्जा, गैस और खाद पर पड़ रहा है। खुद प्रधानमंत्री दो बार ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन से बात कर चुके हैं। विदेश मंत्री एस. जयशंकर लगातार विभिन्न देशों के समकक्षों के साथ संपर्क में हैं। होर्मुज स्ट्रेट खोलने का दबाव बनाया जा रहा है।

बेशक, सरकार ने कूटनीतिक प्रयासों से गहराते संकट को काफी हद तक टाला है, लेकिन भारतीय बाजार असर से पूरी तरह अछूते नहीं हैं। पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतों में वृद्धि हुई है और एलपीजी की आपूर्ति उम्मीद के अनुरूप सुचारू नहीं है। चूंकि, युद्ध विराम का फिलहाल कोई संकेत नहीं है, इसलिए भारत सरकार सतर्कता बरतते हुए अपनी व्यवस्थाओं को चुस्त-दुरुस्त कर लेना चाहती है।

देशभर की जेलों पर सुप्रीम कोर्ट की नजर- क्षमता, कैदियों और सुविधाओं का पूरा ब्योरा तलब

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को 18 मई तक जेलों से जुड़ी ताजा जानकारी देने का निर्देश दिया है। इसमें हर जेल की स्वीकृत क्षमता, उनमें कैदियों की संख्या और भीड़भाड़ को रोकने के लिए उठाए गए कदम शामिल होंगे। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से उनके अधिकार क्षेत्र में मौजूद जेलों से जुड़े एक मार्च, 2026 तक के विवरण उपलब्ध कराने का आदेश दिया। जेलों की स्वीकृत क्षमता- इसमें हर जेल की स्वीकृत क्षमता, उनमें कैदियों की कुल संख्या, हर जेल में भीड़भाड़ (ओवर क्राउडिंग) का प्रतिशत, भीड़भाड़ की समस्या से निपटने के लिए प्रस्तावित कदम, महिला जेलों का विवरण, महिला कैदियों और उनके साथ रहने वाले बच्चों को दी जाने वाली सुविधाएं (जिनमें शैक्षणिक और चिकित्सा सुविधाएं शामिल), जेल कर्मचारियों की स्वीकृत संख्या, मौजूदा रिक्तियां, उन्हें भरने के लिए उठाए गए कदम और जेल प्रशासन से जुड़े अन्य सभी सहायक पहलू शामिल होने चाहिए। जेलों में अमानवीय स्थितियों से जुड़े इस स्वतः संज्ञान मामले में न्याय मित्र गौरव अग्रवाल ने अदालत का ध्यान इस तथ्य की ओर दिलाया कि राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की ओर से रिकार्ड पर रखे गए आंकड़े वर्ष 2023 के हैं।

आतंकवाद के बिना नहीं रह सकता पाकिस्तान, बासित के बड़बोलेपन पर भाजपा ने दिखाया आईना

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा ने पूर्व पाकिस्तानी राजनयिक अब्दुल बासित के बड़बोलेपन पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए पाकिस्तान को आईना दिखाया है। कहा- बासित के बयान दर्शाते हैं कि पाकिस्तान आतंकवाद के बिना नहीं रह सकता।

भारत में पाकिस्तान के उच्चायुक्त रह चुके बासित ने हाल ही में एक पाकिस्तानी चैनल पर कहा था कि यदि अमेरिका ने पाकिस्तान पर हमला किया तो भले ही अमेरिका हमारी परमाणु रेंज में न आए, हमारे पास विकल्प है। हम बदले में नई दिल्ली और मुंबई जैसे भारतीय शहरों पर हमला करेंगे।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता तुहीन सिन्हा ने इस पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा- %बासित का यह बयान पाकिस्तान की बौखलाहट को दर्शाता है। यह दिखाता है कि आज भी पाकिस्तान ऑपरेशन सिंदूर के दौरान मिले गहरे जख्मों से बुरी तरह बौखलाया हुआ है। उसने अपना मानसिक संतुलन खो दिया है।% उन्होंने पाकिस्तान को आतंकी देश करार देते हुए कहा- %यह एक ऐसा देश है जिसकी रग-रग में आतंकवाद है। पिछले वर्ष पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर ने अमेरिका से कहा था कि यदि जरूरत पड़ी तो जामनगर में तेल रिफाइनरियों को उड़ा दिया जाएगा। अब देश के पूर्व राजदूत ने इस तरह की भाषा का प्रयोग किया है। यह दिखाता है कि आतंकवाद पाकिस्तान के स्वभाव में ही है और वह इसके बिना नहीं रह सकता।

इस्लामाबाद द्वारा काबुल में एक नशा मुक्ति केंद्र पर किए गए हवाई हमलों का उल्लेख करते हुए भाजपा नेता ने कहा कि पवित्र रमजान के महीने में पाकिस्तान ने अफगानिस्तान पर बमबारी की और वहां 400 लोगों की हत्या की। भारत ने उसकी भी निंदा की थी। अब वे भारत को धमकी दे रहे हैं।

उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को अच्छी तरह समझ लेना चाहिए कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद आतंकवाद की उनकी दुकानदारी अब खत्म हो चुका है। सिंधु जल संधि को निलंबित करके भारत ने पाकिस्तान को इतना नुकसान पहुंचाया है कि वह आतंकवाद को बढ़ावा देने से पहले 10 बार सोचेगा।

योगी कैबिनेट में इस बड़ी योजना को मिली मंजूरी, यूपी के 58 जिलों को मिलेगा सीधा फायदा

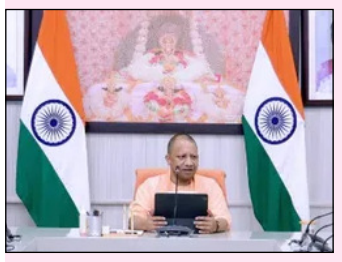

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रदेश में स्मार्ट सिटी मिशन के विस्तार और संतुलित शहरी विकास को गति देने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में नवयुग पालिका योजना को मंजूरी दे दी गई है। इस योजना के तहत 58 जिला मुख्यालयों के नगरीय निकायों को आधुनिक सुविधाओं से लैस किया जाएगा। राज्य सरकार ने पहली बार नगर निगमों से बाहर के नगरीय निकायों, विशेषकर जिला मुख्यालय स्थित नगर पालिका परिषदों और नगर पंचायतों को प्राथमिकता देते हुए विकास की नई रूपरेखा तैयार की है। योजना के अंतर्गत 55 नगर पालिका परिषदों, 3 नगर पंचायतों तथा गौतमबुद्धनगर की दादरी नगर पालिका परिषद को शामिल किया गया है। योजना के तहत प्रत्येक वर्ष 583.20 करोड़ रुपये की धनराशि खर्च की जाएगी, इस तरह 5 वर्षों (2025-26 से 2029-30) में कुल 2916 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा।

स्कूलों में फोन की नो-एंट्री, 10-18 साल के बच्चों में ईटिंग डिसऑर्डर और बॉडी इमेज को लेकर UNESCO ने जताई चिंता

नई दिल्ली (एजेंसी)। आज के डिजिटल युग में जहां तकनीक को प्रगति का पर्याय माना जाता है, वहीं दुनिया भर के स्कूलों से चौंकाने वाली और गंभीर तस्वीर सामने आ रही है।

यूनेस्को की ग्लोबल एजुकेशन मॉनिटरिंग (जीईएम) टीम की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया के आधे से अधिक देशों (लगभग 58 प्रतिशत) ने स्कूलों में मोबाइल फोन के इस्तेमाल पर पूर्ण या आंशिक प्रतिबंध लगा दिया है।

यह आंकड़ा केवल एक दायरा- रिपोर्ट के अनुसार, जून 2023 तक केवल 24 प्रतिशत देशों में फोन बैन थे, लेकिन मार्च 2026 तक यह संख्या बढ़कर 58 प्रतिशत हो गई है। इसका मतलब है कि 114 शिक्षा प्रणालियों ने अब अपने यहां स्कूलों में फोन को नो-एंट्री दे दी है।

हाल के महीनों में बोलीविया, मालदीव, क्रोएशिया और जॉर्जिया जैसे देशों ने इस सूची में अपना नाम जोड़ा है। जीईएम टीम के एक वरिष्ठ सदस्य ने कहा, यह विस्तार कक्षाओं में कम होती एकाग्रता, साइबर बुलिंग और बच्चों पर डिजिटल वातावरण के बढ़ते नकारात्मक प्रभाव के प्रति बढ़ती चिंताओं को दर्शाता है। फ्रांस जैसे देश, जिन्होंने प्राथमिक स्तर पर पहले ही प्रतिबंध लगा दिया था, अब और कड़े कानूनों पर विचार कर रहे हैं। वहीं अमेरिका में भले ही कोई राष्ट्रीय कानून न हो, लेकिन 39 राज्यों ने अपने स्तर पर इसे विनियमित करना शुरू कर दिया है।

नीतिगत बदलाव नहीं, बल्कि बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य और गिरते शैक्षणिक स्तर को लेकर वैश्विक स्तर पर मची बेचैनी का प्रमाण है।

तेजी से बढ़ता प्रतिबंधों का

संसदीय समिति ने लोकपाल की सक्रियता को लेकर पूछे सवाल, 10 साल से नहीं हुई जांच शाखा के पद पर नियुक्ति

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकपाल के गठन का कानून बनने के 10 वर्ष से ज्यादा समय बीतने के बाद भी इसकी जांच शाखा के प्रमुख के पद पर किसी की नियुक्ति नहीं हुई है।

अब संसदीय समिति ने सरकार से लोकपाल पद से जुड़े प्रविधानों की जानकारी मांगी है। पूछा है कि यह संस्था कब सक्रिय रूप में कार्य करेगी और इसका जांच और अभियोग चलाने का तरीका कैसा होगा।

लोकपाल पद पर नियुक्तियां- भ्रष्टाचार निरोधी मुहिम के तहत देश में लोकपाल एवं लोकायुक्त अधिनियम 2013 बना था, जो एक जनवरी 2014 से प्रभाव में आ गया था। लेकिन इसके तहत 27 मार्च, 2019 को नियुक्तियां हुईं।

अधिनियम के अनुच्छेद 11 में लोकपाल को जांच शाखा गठित करने का अधिकार है। इस शाखा का प्रमुख निदेशक स्तर का अधिकारी होता है। यह शाखा भ्रष्टाचार के मामलों की जांच करेगी।

लोकपाल के अंतर्गत कार्य करने वाली जांच शाखा को बड़े अधिकारियों और सरकारी पदों पर कार्यरत जनप्रतिनिधियों की जांच का अधिकार है।

संसद की नियुक्ति, लोक शिकायत और विधि मामलों की स्थायी समिति को सरकार की ओर से बताया गया है कि जांच शाखा के निदेशक और अन्य पदों पर नियुक्तियों के लिए प्रक्रिया चल रही है।

स्थायी समिति ने नियुक्ति को लेकर इस स्थिति पर आश्चर्य व्यक्त किया है। कहा है कि लोकपाल की जांच शाखा की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। यह अन्य केंद्रीय जांच एजेंसियों के साथ मिलकर भ्रष्टाचार निरोधी मुहिम में योगदान कर सकती है। इससे मुहिम को मजबूती मिलेगी।

फिलहाल देश में भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई की सर्वोच्च एजेंसी सीबीआइ है। उसका देश में संस्थागत ढांचा और कार्यबल सक्रिय अवस्था में है।

महाकालेश्वर दरबार में नहीं रुकेगा भोग... गैस संकट के बीच मंदिर प्रशासन अलर्ट

देशभर में एलपीजी की किल्लत, लेकिन महाकालेश्वर मंदिर में प्रसाद व्यवस्था रहेगी सुचारू - पीएनजी कनेक्शन उपलब्ध है अन्न क्षेत्र में - इमरजेंसी प्लान भी तैयार

दैनिक दिव्य संवाद उज्जैन। देश सहित उ'जैन में कमर्शियल गैस की कमी का असर जहां होटल और रेस्टोरेंट तक पहुंच चुका है, वहीं भगवान महाकाल के दरबार से राहत भरी खबर सामने आई है। गैस संकट के बीच भी महाकालेश्वर मंदिर में भोग-प्रसाद की व्यवस्था बिना किसी रुकावट जारी रहेगी। मंदिर प्रशासन ने साफ किया है कि श्रद्धालुओं को प्रसाद में किसी तरह की कमी नहीं आने दी जाएगी।

मंदिर समिति में सहायक प्रशासनिक अधिकारी मूलचंद जूनवाल के मुताबिक, फिलहाल गैस सप्लाई पूरी तरह सामान्य है। मंदिर का अन्नक्षेत्रम् और लड्डू यूनिट दोनों पहले की तरह सुचारू रूप से काम कर रहे हैं। यहां रोजाना बड़ी मात्रा में प्रसाद तैयार

किया जाता है और इसकी आपूर्ति पर कोई असर नहीं पड़ा है। इसके पीछे कारण यह है कि महाकाल के अन्न क्षेत्र में भोजन निर्माण के लिए एलपीजी के अलावा पीएनजी कनेक्शन भी है।

भोग-प्रसाद पर नहीं पड़ेगा असर....

अधिकारियों का कहना है कि अभी तक न तो एलपीजी सिलेंडरों की सप्लाई में कोई बाधा आई है और न ही पाइपलाइन गैस (पीएनजी) में कोई कमी देखी गई है। ऐसे में श्रद्धालुओं को मिलने वाला भोग-प्रसाद पहले की तरह लगातार मिलता रहेगा।

रोज बनते हैं 40 क्विंटल लड्डू....

मंदिर की लड्डू यूनिट में प्रतिदिन करीब 40 क्विंटल प्रसाद तैयार किया जाता है। यह यूनिट मुख्य रूप से पीएनजी पर संचालित होती है, जबकि अन्नक्षेत्रम् में कमर्शियल एलपीजी का उपयोग होता है। दोनों व्यवस्थाएं फिलहाल पूरी क्षमता के साथ चल रही हैं।

इमरजेंसी प्लान तैयार....

संभावित संकट को देखते हुए मंदिर प्रशासन ने पहले से ही तैयारी शुरू कर दी है। रोजाना गैस की खपत का ऑडिट किया जा रहा है, ताकि जरूरत पडने पर वैकल्पिक व्यवस्था तुरंत लागू की जा सके।

सप्लायरों से सीधा संपर्क....

मंदिर समिति ने गैस सप्लाई बनाए रखने के लिए तीन अलग-अलग सप्लायरों से संपर्क स्थापित किया है। सभी सप्लायरों ने पर्याप्त स्टॉक होने का भरोसा दिया है। प्रशासन का कहना है कि किसी भी स्थिति में बाबा महाकाल के भोग में बाधा नहीं आने दी जाएगी।

95वें बलिदान दिवस पर अर्पित की भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को श्रद्धांजलि

सर सैयद अहमद वेलफेयर सोसाइटी ने किया महान क्रांतिकारियों का स्मरण

उज्जैन। महान क्रांतिकारी भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु के 95वें बलिदान दिवस पर सर सैयद अहमद वेलफेयर सोसाइटी द्वारा स्थानीय शहीद पार्क पर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। सोसाइटी के अध्यक्ष पंकज जायसवाल और संरक्षक सैयद अबीद अली मीर ने बताया कि देश के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले इन वीर शहीदों को पुष्प वर्षा कर नमन किया गया।

अंग्रेजों के जुल्म के आगे नहीं झुके क्रांतिकारी

श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए डॉ. तेज कुमार मालवीय ने कहा कि देश को गुलामी से मुक्त कराने के लिए हजारों क्रांतिकारियों ने अपने प्राणों का बलिदान दिया। अंग्रेजों के जुल्म के आगे न झुकने वाले इन क्रांतिकारियों में भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव अग्रणी थे। उज्जैन वक्फ बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष डॉ. निजाम हाशमी ने कहा कि जब अंग्रेजों के जुल्म की इंतहा हो गई, तब देश के युवाओं ने ब्रिटिश साम्राज्य को उखाड़ फेंकने का संकल्प लिया। उन्होंने नेताजी सुभाष चंद्र बोस, चंद्रशेखर आजाद, राम प्रसाद बिस्मिल, अशफ़ाकउल्ला खान, खुदीराम बोस और गणेश शंकर विद्यार्थी जैसे अनेक क्रांतिकारियों के योगदान को याद करते हुए कहा कि राष्ट्र इन महान सपूतों को कभी भुला नहीं पाएगा।

गीत प्रस्तुत कर दी गई स्वरांजलि

मध्य प्रदेश हज कमेटी के पूर्व सदस्य हाजी इकबाल हुसैन ने %वतन पर जो नौजवां फिदा होगा, अमर वह नौजवां होगा गीत प्रस्तुत कर शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि दी। समाजसेवी इकबाल उस्मानी ने इतिहास का स्मरण कराते हुए बताया कि 23 मार्च 1931 को लाहौर की सेंट्रल जेल में अंग्रेजी हुकूमत ने देश के इन महान सपूतों को फांसी देकर शहीद कर दिया था।

इस अवसर पर जगन्नाथ अष्टकर, शिक्षाविद सादिक मंसूरी, एडवोकेट आजम बेग, इंजीनियर सद्दाम हुसैन, शाकिर शेख, आजम खान, इरफान राइन, शरीफ खान, चेतन ठक्कर, एडवोकेट जाहिद नूर और अभिषेक सिसोदिया ने भी वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

अखाड़ा परिषद अध्यक्ष पद पर संग्राम... उज्जैन में खुलकर सामने आए मतभेद

रवींद्र पुरी महाराज, महानिर्वाणी अखाड़ा

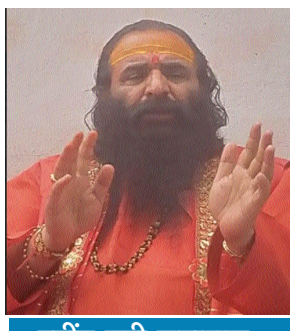

रवींद्र पुरी महाराज, निरंजनी अखाड़ा

दैनिक दिव्य संवाद उज्जैन। महानिर्वाणी गुट के रविंद्र पुरी ने अध्यक्ष होने का किया दावा - निरंजनी गुट के रवींद्र पुरी महाराज बोले- 2021 से अब तक कहां थे, मैं ही वैध अध्यक्ष अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष पद को लेकर चल रही खींचतान अब खुलकर सामने आ गई है।

सिंहस्थ 2028 से पहले संत समाज में एकता की जगह गुटबाजी तेज होती नजर आ रही है। रविवार को मंगलनाथ रोड स्थित खाक चौक पर श्री पंच रामानंदीय निर्वाणी अखाड़े में आयोजित बैठक में 8 अखाड़ों के संत-महंतों ने महानिर्वाणी अखाड़े से जुड़े रवींद्र पुरी महाराज को अध्यक्ष मानते हुए उनका जोरदार स्वागत किया।

इस दौरान उन्होंने दावा किया कि वे ही अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष हैं। खास चर्चा में निरंजनी अखाड़ा के सचिव और अखाड़ा परिषद के वर्तमान अध्यक्ष रवींद्र पुरी महाराज ने दो टूक कहा कि वर्ष 2021 में उन्हें सर्वसम्मति से अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद का अध्यक्ष चुना गया था और उन्होंने कभी इस्तीफा नहीं दिया। ऐसे में कोई अन्य व्यक्ति खुद को अध्यक्ष नहीं बता सकता। उन्होंने यह भी कहा कि महानिर्वाणी के रवींद्र पुरी अध्यक्ष होने का दावा कर रहे हैं तो वे वर्ष 2021 से अब तक कहां थे। इस दौरान वे कितनी बार उज्जैन आए तथा आगामी सिंहस्थ महापर्व की तैयारियों को लेकर कितनी बार जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों से मिले और बैठकों में शामिल हुए।

वहीं महानिर्वाणी अखाड़ा के रवींद्र पुरी महाराज ने कहा कि हरिद्वार में बहुमत के आधार पर उन्हें अध्यक्ष चुना गया था और वही वर्तमान अध्यक्ष हैं। उन्होंने पूरे विवाद को विचारों का मतभेद बताते हुए कहा कि संत समाज में ऐसे मतभेद पहले भी सामने आते रहे हैं।

13 अखाड़े, दो दावे... बढ़ी उलझन

प्रयागराज कुंभ के बाद से ही अखाड़ा परिषद में नेतृत्व को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। 13 अखाड़ों में बंटे संत समाज के दो गुट अब अलग-अलग अध्यक्षों के समर्थन में खड़े हो गए हैं।

एक पक्ष निरंजनी अखाड़े के रवींद्र पुरी को वैध अध्यक्ष मान रहा है, तो दूसरा महानिर्वाणी अखाड़े के रवींद्र पुरी के साथ खड़ा है। क्योंकि महानिर्वाणी अखाड़े के अध्यक्ष रवींद्र पुरी महाराज को आठ अखाड़े का समर्थन प्राप्त है।

सिंहस्थ 2028 के कामों में ढिलाई पर सख्त एक्शन, ठेकेदार पर 5 लाख की पेनल्टी

बारिश से पहले प्रमुख सड़कें पूरी करने के निर्देश, गुणवत्ता से समझौता बर्दाश्त नहीं, संभागायुक्त रोज करेंगे मॉनिटरिंग

दैनिक दिव्य संवाद उज्जैन। सिंहस्थ 2028 की तैयारियों में लापरवाही अब भारी पड़ने लगी है। संभागायुक्त सह मेला अधिकारी आशीष सिंह ने सोमवार को निर्माण कार्यों का सख्त निरीक्षण करते हुए धीमी प्रगति और गुणवत्ता में कमी पर कड़ा रुख अपनाया। देवास रोड फोरलेन निर्माण में देरी और परीक्षण लैब में कैलिब्रेशन सर्टिफिकेट नहीं मिलने पर संबंधित एजेंसी पर 5 लाख रुपये की पेनल्टी लगाने के निर्देश दिए गए।

संभागायुक्त ने साफ कहा कि सिंहस्थ जैसे बड़े आयोजन में किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। सभी कार्य तय समयसीमा में और गुणवत्ता के साथ पूरे किए जाएं।

धीमी रफ्तार पर फटकार, मजदूर बढ़ाने के निर्देश....

दताना से पाइप फैक्ट्री तक 8.8 किमी लंबे फोरलेन निर्माण का निरीक्षण करते समय काम की रफ्तार धीमी पाई गई। मौके पर मजदूरों की संख्या कम होने पर संभागायुक्त ने नाराजगी जताई और एजेंसी को तुरंत संसाधन बढ़ाने के निर्देश दिए। साथ ही पीडब्ल्यूडी अधिकारियों को रोजाना सामग्री की टेस्टिंग रिपोर्ट अपडेट करने के आदेश दिए।

नवरात्रि में श्रद्धालुओं को न हो परेशानी....

हामूखेड़ी में सड़क चौड़ीकरण कार्य का निरीक्षण करते हुए संभागायुक्त ने विशेष निर्देश दिए कि बिजासन माता मंदिर आने-जाने वाले श्रद्धालुओं को नवरात्रि के दौरान किसी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। ठेकेदार को काम में तेजी लाकर नवंबर तक कार्य पूरा करने के निर्देश दिए गए।

गेल चौराहे से शांति नगर तक बारिश से पहले काम पूरा करें...

नानाखेड़ा गेल चौराहे से नीलगंगा चौराहे तक 2700 मीटर सड़क चौड़ीकरण कार्य की समीक्षा में संभागायुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिए कि कम से कम एक किलोमीटर हिस्सा बारिश से पहले पूरा कर लिया जाए। साथ ही आगे के काम की पूर्व योजना बनाकर तेजी से क्रियान्वयन करने को कहा।

मुख्य मार्गों पर विशेष फोकस, ब्रिज कार्य भी परखा...

जंतर-मंतर से लालपुल तक निर्माणाधीन फोरलेन मार्ग और ब्रिज कार्य का भी निरीक्षण किया गया। यह मार्ग शहर का प्रमुख कनेक्टिविटी रूट होने के कारण अधिकारियों को मौके पर मौजूद रहकर गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों पर नकेल आवश्यक...

लोक निर्माण विभाग को सिंहस्थ से जुड़े कई महत्वपूर्ण निर्माणकार्य प्रदेश सरकार ने सौंपे है। बावजूद इसके विभाग के अधिकारी संभाग आयुक्त और कलेक्टर के निर्देशों को लेकर गंभीर नहीं है। सड़क निर्माण कार्य में गुणवत्ता और धीमी गति को लेकर उज्जैन के पूर्व कलेक्टर नीरज कुमार सिंह, वर्तमान कलेक्टर रोशन कुमार सिंह कई बार सख्त निर्देश दे चुके हैं। इसके बाद भी पीडब्ल्यूडी के कार्यपालन यंत्री गौतम अहिरवार और उनके अधीनस्थ अधिकारी कर्मचारी निर्माण कार्यों की समय सीमा और गुणवत्ता को लेकर गंभीर नहीं है। स्थिति यह है कि ईई गौतम अहिरवार मीडिया कर्मियों के भी फोन नहीं उठाते और उन्हें मांगने पर भी विभाग के प्रचलित निर्माण कार्यों और प्रोजेक्टों की सही जानकारी नहीं देते हैं। अब देखना यह है कि यह अधिकारी संभाग आयुक्त के निर्देशों का कितने गंभीरता से पालन करते हैं।

अब रोज सुबह 10 बजे होगी मॉनिटरिंग....

- संभागायुक्त खुद रोज सुबह 10 बजे निर्माण कार्यों का निरीक्षण करेंगे
- हर प्रोजेक्ट की प्रगति की दैनिक समीक्षा होगी
- ग गुणवत्ता और समयसीमा पर विशेष नजर
- लापरवाही मिलने पर सीधे कार्रवाई तय

गुर्जर गौड़ ब्राह्मण समाज का भव्य गोतम जयंती महोत्सव संपन्न

दैनिक दिव्य संवाद उज्जैन। गुर्जर गौड़ ब्राह्मण समाज द्वारा आयोजित गोतम जयंती महोत्सव अत्यंत गरिमामय एवं भव्य रूप में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में आदरणीय श्री विवेक जी दुबे (डायरेक्टर, शिवा एग्रो कम्यूनिटी) उपस्थित रहे। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में श्रीमती माया त्रिवेदी (राष्ट्रीय अध्यक्ष, अखिल भारतीय गुर्जर गौड़ ब्राह्मण समाज महिला सभा) एवं प्रांतीय अध्यक्ष पंडित राजेश त्रिवेदी अखिल भारतीय गुर्जर गौड़ ब्राह्मण समाजएवं अन्य गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

कार्यक्रम में विशेष रूप से पंडित श्री नरेंद्र जी व्यास, पंडित श्री प्रमोद जी व्यास, डॉ. ओ.पी. व्यास एवं पंडित श्री प्रदीप जी तिवारी की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। इस अवसर पर न्यायविद अधिवक्ता स्वर्गीय श्री स्व बालकृष्ण जी उपाध्याय उपाध्याय की स्मृति में, बालकृष्ण लीगल फाउंडेशन द्वारा इस वर्ष का प्रतिष्ठित गोतम रत्न सम्मान समाजसेवी एवं सक्रिय समाजसेवी श्री राजेश जी त्रिवेदी को प्रदान किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम श्री गणेश की वंदना से प्रारंभ किया गया

इसमें एकल नृत्य, समूह नृत्य, नाट्य मंचन एवं आकर्षक प्रस्तुतियाँ शामिल रहीं। नाटकों में महाभारत, महिषासुर मर्दिनी, भक्त वत्सल, जगन्नाथ एवं राजा विक्रमादित्य जैसे प्रेरणादायक विषयों का जीवंत मंचन किया गया। साथ ही नन्हे-मुन्ने बच्चों की फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता विशेष आकर्षण का केंद्र रही।

लगभग तीन घंटे तक चले इस कार्यक्रम में समाज के करीब 1500 से अधिक समाजजन उपस्थित रहे और सभी ने आयोजन की भूरी-भूरी प्रशंसा की। कार्यक्रम की सफलता पर न्यास अध्यक्ष श्री राजेंद्र तिवारी ने सभी समाजजनों, आयोजकों एवं सहयोगकर्ताओं का आभार व्यक्त किया।

ई टोकन व्यवस्था के अंतर्गत घट्टिया के समस्त पटवारी, सचिव और रोजगार सहायकों का एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

उज्जैन । कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह के निर्देशानुसार ई-विकास प्रणाली के अंतर्गत ई-टोकन व्यवस्था के संबंध में सोमवार को घट्टिया के समस्त पटवारी, पंचायत सचिव एवं रोजगार सहायकों का एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम कृषि विस्तार एवं प्रशिक्षण केंद्र आयोजित किया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में मास्टर ट्रेनर कार्यालयीन सहायक संचालक कृषि श्री कमलेश कुमार राठौर ने प्रशिक्षण में उपस्थित पटवारियों को फार्मर रजिस्ट्री (एग्री-स्टैक) को अद्यतन (अपडेट) करने के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। साथ ही सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से आह्वान किया गया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में किसानों के बीच व्यापक प्रचार-प्रसार करें तथा ई-टोकन प्रणाली के बारे में जानकारी देते हुए आवश्यक सहयोग प्रदान करें। श्री राठौर ने बताया कि आगामी 1 अप्रैल 2026 से उर्वरक का वितरण शतप्रतिशत ई-टोकन प्रणाली के माध्यम से ही किया जाएगा, जिससे उर्वरक वितरण की प्रक्रिया अधिक पारदर्शी एवं व्यवस्थित रूप से संचालित हो सकेगी।ई-विकास प्रणाली से संबंधित महत्वपूर्ण बिंदुओं के साथ-साथ नरवाई प्रबंधन के संबंध में भी विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की गई।

उक्त प्रशिक्षण में , वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी श्री रजनी गुजराती सहित विकास खंड घटिया के कृषि विस्तार अधिकारी श्री गोविंद मंडारिया कृतिका राठौर, लोकेश यादव आदि उपस्थित रहे।

माहेश्वरी समाज का भव्य गणगौर सिंजारा आयोजित पारंपरिक वेशभूषा में महिलाओं ने लिया उत्साह से भाग

उज्जैन। श्री माहेश्वरी सभा प्रगति महिला मंडल द्वारा होटल सुराना में गणगौर के सिंजारे का भव्य आयोजन किया गया। मंडल की अध्यक्षा रुचि गांधी ने बताया कि कार्यक्रम में समाज की महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा में सज-धजकर पूरे उत्साह के साथ भाग लिया।

कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में किरण पलोड़ एवं नेहा झंवर उपस्थित थीं, जिनका स्वागत तिलक लगाकर और ढोल के साथ पारंपरिक तरीके से किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन शीला मंडोवरा तथा मंगला चितलांगिया ने किया। संयोजक वर्षा राठी, एकता आगाल और विधि मालपानी की देखरेख में आयोजित इस कार्यक्रम में कई रोचक प्रतियोगिताएं हुईं। पूर्व अध्यक्ष शीतल मुंदड़ा और पायल भूतड़ा ने आकर्षक हाउजी खिलाई।

प्रतियोगिताओं में दिखा उत्साह, विजेताओं को मिला सम्मान-कार्यक्रम के दौरान आयोजित ईसर-गोरा प्रतियोगिता में पूर्वा और हिमांशी भूतड़ा ने प्रथम तथा प्रियंका व नीयति माहेश्वरी ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। मनोरंजक सास-बहू एवं देवरानी-जेठानी नोक-झोंक प्रतियोगिता में पूनम, भूमिका और स्वाति झंवर प्रथम रहीं, जबकि राधिका चितलांगिया व अर्पिता सोमानी ने दूसरा स्थान हासिल किया। इसी प्रकार, गणगौर रील बनाओ प्रतियोगिता में अदिति गरुप ने पहला और राधिका व कीर्ति ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। बेस्ट गणगौर के खिताब से वर्षा राठी को नवाजा गया।

इनकी रही गरिमामयी उपस्थिति-इस अवसर पर माहेश्वरी मारवाड़ी महिला संगठन की प्रदेश अध्यक्ष संतोष सोडानी, माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष कैलाश नारायण राठी और माहेश्वरी महिला मंडल की अध्यक्ष संध्या हेड़ा विशेष रूप से उपस्थित थीं।

साथ ही, प्रगति मंडल कार्यकारिणी से कुसुम भूतड़ा, राजश्री भूतड़ा, सीमा मुंदड़ा, सीमा कासट, पायल राठी, मीना मंत्री, जानकी लड्ढा, अनीता चांडक, नूतन गगरानी, मधु लड्ढा, रानी शारडा, हंसा बाहेती, शोभा मुंदड़ा, वनिता भूतड़ा, अनुराधा आगाल, स्वाति बाहेती और संध्या ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

कार्यक्रम के दौरान महिलाओं ने कपल्स के साथ सिंजारे के विशेष सहभोज का आनंद लिया।

आगामी हनुमान जयंती के उपलक्ष्य में बैठक सफलतापूर्वक संपन्न हुई

दैनिक दिव्य संवाद उज्जैन। आद्य गौड़ ब्राह्मण समाज युवा प्रकोष्ठ की आगामी हनुमान जयंती के उपलक्ष्य में दिनांक 22-03-2026 को आयोजित बैठक सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इस बैठक में समाज के सदस्यों की उपस्थिति में विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई तथा आगामी कार्यक्रम को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

सभी सदस्यों के सहयोग और सहभागिता के लिए हार्दिक धन्यवाद।

12 अप्रैल से प्रारंभ होगी पंचक्रोशी यात्रा-पंचक्रोशी यात्रा में महिलाओं के लिए विशेष हेल्प डेस्क लगाई जाए

उज्जैन । इस वर्ष पंचक्रोशी यात्रा रविवार 12 अप्रैल से प्रारंभ होगी। यात्रा के दौरान यात्रा मार्ग, प्रमुख पड़ाव व उप पड़ाव स्थलों पर विभिन्न विभागों द्वारा की जाने वाली व्यवस्थाओं की समीक्षा के लिए कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह के द्वारा सोमवार को प्रशासनिक संकुल भवन के सभाकक्ष में बैठक ली गई।

बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री प्रदीप शर्मा, सीईओ जिला पंचायत श्री श्रेयांस कूमट, नगर निगम आयुक्त श्री अभिलाष मिश्रा, डीएफओ श्री अनुराग तिवारी, एडीएम श्री अत्येंद्र सिंह गुर्जर एवं संबंधित विभागों के अधिकारी गण उपस्थित थे ।

बैठक में यात्रा के प्रमुख पड़ाव और उप पड़ाव स्थलों के बारे मे जानकारी दी गई। बताया गया कि सामान्यतः पंचक्रोशी यात्रा में प्रतिवर्ष लगभग 50 से 60 हजार यात्री सम्मिलित होते है। इसमें विशेषतः प्रदेश के विभिन्न शहरों और पड़ोसी राज्यों के श्रद्धालु भाग लेते हैं। इस वर्ष श्रद्धालुओं की संख्या में वृद्धि संभावित है।

कलेक्टर श्री सिंह ने बैठक में निर्देश दिए कि पंचक्रोशी यात्रा अत्यंत प्राचीन और महत्वपूर्ण धार्मिक यात्रा है। इसीलिए यात्रा करने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा ना हो इस बात का विशेष ध्यान रखा जाए। सिंहस्थ-2028 के अंतर्गत जो भी निर्माण कार्य किए जा रहे हैं इनमें पंचक्रोशी यात्रा मार्ग में आने वाले निर्माण कार्य यात्रा के पूर्व समय सीमा में पूर्ण कर लिए जाएं। यात्रा मार्ग का सुधार कार्य कर समतलीकरण का कार्य पूर्ण कर लिया जाए। बहुत से श्रद्धालु नंगे पैर यात्रा करते हैं उन्हें मार्ग में पैदल यात्रा के दौरान असुविधा ना हो।

कलेक्टर श्री सिंह ने बैठक में निर्देश दिए कि पंचक्रोशी यात्रा के दौरान जो भण्डारे लगाये जाना है, उनमें आयोजनकर्ताओं द्वारा एसडीएम से अनुमति लेने के पश्चात ही भण्डारे लगाये जाएं। भण्डारों में वितरित किए जाने वाले भोजन की गुणवत्ता की निरंतर जांच की जाए। यात्रा के दौरान जो भण्डारे लगाया जाना है, उनकी पहले से सूची उपलब्ध करवाई जाए।

बैठक में लोक निर्माण विभाग (भवन एवं पथ) को मंदिर मे बैरिकेटिंग की व्यवस्था, यात्रा मार्ग पर संकेतक एवं माईलस्टोन लगवाने, कालियादेह से चक कमेड ग्राम अष्टतीर्थ मार्ग का रख-रखाव करवाने के निर्देश दिए गए।

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी को यात्रा मार्ग में शुद्ध पेय जल, स्थाई, अस्थाई टंकी व टेंकर द्वारा प्रति पांच सौ मीटर पर पेयजल उपलब्ध कराने, प्रत्येक पड़ाव एवं उपपड़ाव स्थल पर यात्रा मार्ग में जल उपलब्ध कराने, पड़ाव एवं उपपड़ाव स्थल पर श्रद्धालुओं के स्नान के लिए शॉवर की व्यवस्था करने, अस्थाई शौचालयों के लिए जल उपलब्ध कराने, यात्रा मार्ग पर पेय जल स्त्रोतों के पानी का परीक्षण कर पेयजल के लिए उपयुक्त प्रमाण पत्र ग्राम पंचायत को उपलब्ध कराने और हैंड पम्पों का रख-रखाव रखने के निर्देश दिए गए।

एमपीईबी को प्रत्येक पड़ाव/उपपड़ाव स्थल पर यात्रा मार्ग में सतत विद्युत सप्लाई सुनिश्चित करने के लिए ट्रांसफार्मर एवं अन्य संधारण कार्य करने के निर्देश दिए गए तथा अस्थाई प्रकार व्यवस्था के लिए संबंधित जनपद पंचायत को अस्थाई कनेक्शन उपलब्ध करवाने व पड़ाव और उप पड़ाव स्थल पर विद्युत सुरक्षा की जांच करते हुए प्रमाणीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में उज्जैन दुग्ध संघ को गर्मी के मौसम को ध्यान में रखते हुए श्रद्धालुओं के लिए ठंडे पेय जल के टैंकर उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए गए। प्रत्येक पड़ाव/उपपड़ाव स्थल पर सांची के आउटलेट लगाये जाने के निर्देश दिए गए ताकि श्रद्धालुओं को पर्याप्त मात्रा में दूध, छाछ, लस्सी एवं अन्य सामग्रियों की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके। जल संसाधन विभाग को 52 कुंड और यात्रा के पड़ाव स्थलों के समीप के घाटों पर पर्याप्त जल स्तर बनाये रखने के निर्देश दिए गए।

नगर पालिका निगम को अस्थाई शौचालय, चलित यूनिट व्यवस्था और साफ-सफाई के लिए सफाईकर्मी व वाहन की व्यवस्था उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए गए। यात्रा के दौरान नगर निगम क्षेत्र एवं यात्रा के मार्ग में पड़ने वाले समस्त पड़ाव/उपपड़ाव स्थलों पर प्रति पड़ाव दो-दो फायर ब्रिगड उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए गए। यात्रा के दौरान मच्छर उन्मूलन के लिए मच्छर रोधी फॉगिंग करवाने के निर्देश दिए गए।

वन विभाग को यात्रा मार्ग के दौरान मधुमक्खी के छत्तों का चिन्हाकन कर उन्हें हटाये जाने के निर्देश दिए गए। पंचक्रोशी यात्रा मार्ग में छायादार वृक्ष लगाये जाने के निर्देश दिए गए। स्वास्थ्य विभाग को यात्रा के दौरान विभिन्न पड़ाव और उप पड़ाव स्थलों पर प्राथमिक चिकित्सा केंद्र स्थापित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही गर्मी के मौसम को देखते हुए पर्याप्त संख्या में ओआरएस और अन्य सभी आवश्यक दवाईयां और वेसलिन जेली, मरहम उपलब्ध रखने के निर्देश दिए गए।

कलेक्टर श्री सिंह ने महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये गये कि यात्रा के दौरान महिलाओं के लिए विशेष हेल्प डेस्क सभी पड़ाव और उपपड़ाव स्थलों पर लगाई जाए ।

श्रद्धालुओं को सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएं। आगामी सिंहस्थ-2028 को ध्यान में रखते हुए इस बार पंचक्रोशी

यात्रा मार्ग में सभी तैयारियां करना सुनिश्चित किया जाए। समस्त विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें। यात्रा मार्ग में पौधारोपण अधिक से अधिक किया जाए। इसके लिए किस प्रकार के पौधे लगाये जाना चाहिए। इस पर कार्य योजना बनाई जाए।

पुलिस अधीक्षक श्री शर्मा ने कहा कि यात्रा में मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति पर विशेष ध्यान रखें। स्वास्थ्य विभाग द्वारा एंटी वेनम और अन्य प्रमुख दवाईयां पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध रखी जाए। समस्त पड़ाव और उप पड़ाव स्थलों पर अग्निशमन यंत्रो की व्यवस्था की जाए। सुरक्षा की दष्टि से यात्रा मार्ग में सीसीटीवी कैमरे लगाये जाए । विद्युत सप्लाई निरंतर जारी रहे जहां जहां मार्ग में शोल्डरर्स आ रहे हैं वहां पर सभी व्यवस्थाएं की जाए ।

रीजन कॉन्फ्रेंस सिद्धार्थ में सेवा कार्यों के लिए किया सम्मानित जीवन प्रबंधन और समाज सेवा के दिए गए गुरुमंत्र

उज्जैन। लायंस क्लब इंटरनेशनल के एमजेएफ लायन प्रदीप यादव की रीजन कॉन्फ्रेंस सिद्धार्थ भव्यता के साथ संपन्न हुई। आयोजन का आतिथ्य होस्ट क्लब लायंस क्लब उज्जैन फ्रेंड्स के अध्यक्ष लायन विनोद लुल्ला एवं उनके साथियों ने किया। मुख्य वक्ता पुणे से आए एमजेएफ लायन द्वारका जालान ने जीवन प्रबन्धन के साथ सेवा कार्यों को करने के गुरुमंत्र दिए।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डिस्ट्रिक्ट गवर्नर एमजेएफ लायन प्रवीण वशिष्ट, एमसीसी एमजेएफ लायन मनीष शाह, कॉन्फ्रेंस चेयरमैन लायन डॉ. सतिंदर सलूजा और कॉन्फ्रेंस सचिव लायन डॉ. तपेश राय उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के तौर पर वीडीजी 1 लायन जय प्रकाश त्रिपाठी, लायन रिपुदमन, लायन महेश मालवीय, पीडीजी लायन अजय गुप्ता और लायन बलबीर साहनी मौजूद थे। विभिन्न श्रेणियों में क्लब और सदस्य हुए पुरस्कृत कॉन्फ्रेंस में सभी क्लबों के अध्यक्षों द्वारा बैनर प्रेजेंटेशन किया गया, जिसमें लायंस क्लब उज्जैन सुरभि एवं लायंस क्लब उज्जैन गोल्ड का उत्कृष्ट प्रदर्शन रहा। समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में किए गए सेवा कार्यों के लिए सदस्यों एवं क्लबों को सम्मानित किया गया।

बेस्ट पिन कलेक्शन में प्रथम पुरस्कार लायंस क्लब उज्जैन सुरभि और द्वितीय पुरस्कार लायंस क्लब उज्जैन क्लासिक को मिला। बेस्ट स्क्रैप बुक के लिए लायंस क्लब उज्जैन सुरभि तथा बेस्ट फोटो एल्बम के लिए लायंस क्लब उज्जैन क्लासिक को पुरस्कृत किया गया।

इन सदस्यों का भी हुआ सम्मान

बेस्ट विजिटिंग कार्ड के लिए लायन देव आशीष राय व दिनेश राठौर को पुरस्कृत किया गया, जबकि लकी ड्रॉ के विजेता लायन बाबूभाई गहलोत रहे। आउटस्टैंडिंग सचिव एवं कोषाध्यक्ष के लिए लायन राजकुमार सोनी एवं लायन प्रवीण कस्बे का सम्मान किया गया।

आयोजन में डॉ. गौतम शर्मा, विशाल पांचाल आदि लायन साथियों का विशेष सहयोग मिला। एमओसी लायन अशोक भाटी द्वारा की गई। कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी रीजन सचिव लायन देवाशिष राय द्वारा दी गई।

चौपाल में संगठन विस्तार पर जोर, नए युवाओं को पार्टी से जोड़ेगी युवा कांग्रेस

उज्जैन। मध्य प्रदेश युवक कांग्रेस के प्रदेश स्तरीय चलो पंचायत कार्यक्रम के तहत उज्जैन दक्षिण विधानसभा क्षेत्र के लेकोड़ा ग्राम में ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम उज्जैन जिला युवा कांग्रेस अध्यक्ष अर्पित यादव और दक्षिण विधानसभा अध्यक्ष यशराज सिंह चावड़ा के नेतृत्व में संपन्न हुआ। इस दौरान युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने चलो पंचायत चलो और युवा कांग्रेस जिंदाबाद के नारे लगाकर अपना उत्साह भी दर्ज कराया।

पंचायत और वार्ड स्तर तक जाएगा संगठन-आयोजन के दौरान जिला अध्यक्ष अर्पित यादव ने बताया कि युवा कांग्रेस संगठन के विस्तार को लेकर संकल्पित है। पार्टी से नए युवाओं को जोड़ने के लिए आगामी समय में इस अभियान को ग्राम पंचायत और वार्ड स्तर तक ले जाया जाएगा।

इस अवसर पर मुख्य रूप से चंद्रभान सिंह चंदेल, ब्लॉक अध्यक्ष उमेश वर्मा और ऋतुराज चौहान सहित उज्जैन जिला युवा कांग्रेस कमेटी के कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के बैनर के अनुसार, इस चौपाल में मुख्य अतिथि के तौर पर प्रदेश अध्यक्ष यश धनोपिया और सह-संयोजक के रूप में जिला महासचिव संदीप पवार का नाम भी शामिल था।

एचपीवी टीकाकरण के संबंध में नागदा में विकास खण्ड स्तरीय बैठक आयोजित

उज्जैन। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक कुमार पटेल ने जानकारी दी कि HPV टीकाकरण अभियान को गति देने के लिए नागदा में अधिकारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

बैठक में श्रीमती मधु नायर (तहसीलदार), श्री सुभाष सुनहेरे (नायब तहसीलदार), डॉ. शिवराज कौशल (बीएमओ खाचरौद), श्री ब्रजेश त्रिपाठी (जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला बाल विकास), श्री मुकेश वर्मा (सीडीपीओ नागदा अरबन), श्री महेन्द्र खत्री (जिला शिक्षा अधिकारी), श्री गिरीश तिवारी (एडीपीसी), श्री गुरुदत्त जोशी (ब्लॉक शिक्षा अधिकारी) और डॉ. आर. के. पाल (जिला टीकाकरण अधिकारी),श्री पुष्पेन्द्र तिवारी (बीआरसी) उपस्थित थे।

बैठक में अभियान को शत-प्रतिशत सफल बनाने के लिए निर्णय लिया गया कि आगामी 25 मार्च को नागदा के 11 प्रमुख स्कूलों में अभिभावकों के लिए विशेष (पालक-शिक्षक बैठक) आयोजित की जाएगी और साथ ही पात्र छात्राओं का टीकाकरण भी किया जाएगा। इन 11 स्कूलों में शासकीय कन्या विद्यालय नागदा, यश पब्लिक स्कूल, एगोसदीप स्कूल, आदित्य बिरला नागदा, गुरुकुल विद्या मंदिर, भारत कॉमर्स स्कूल, आदित्य बिरला स्कूल, आदर्श स्कूल, भारतीय विद्या पीठ, फातिमा कान्वेंट स्कूल और बेरछा गवर्नमेंट स्कूल शामिल हैं।

इसके अलावा, ब्लॉक के अन्य सभी स्कूलों में भी इसी दिन (25 मार्च को) अभिभावकों को जागरूक करने हेतु विशेष PTM आयोजित की जाएगी। अभिभावकों से विशेष अपील (वैक्सीन बिल्कुल फ्री है)

शासन द्वारा 14 से 15 वर्ष की किशोरियों को यह ॥क्क्ष् वैक्सीन बिल्कुल निःशुल्क (फ्री) लगाई जा रही है। यह पूरी तरह सुरक्षित और बेहद असरदार है, जो जीवनभर सर्वाइकल कैंसर से सुरक्षा कवच प्रदान करती है। प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग सभी माता-पिता से अपील करता है कि वे 25 मार्च को स्कूलों में होने वाली क्क्षरूमें जरूर शामिल हों और अपनी बेटियों का यह मुफ्त टीकाकरण करवाकर उन्हें एक स्वस्थ और सुरक्षित भविष्य का उपहार दें।

शतरंज के दिग्गजों ने रचा इतिहास, उदयपुर से आए फिडे मास्टर अरूण कटारिया बने शतरंज प्रतियोगिता के विजेता

रैपिड रेटिंग शतरंज स्पर्धा में हुए रोमांचक मुकाबले, मध्यप्रदेश के 24 शहरों सहित भारत के कई राज्यों के खिलाड़ी हुए शामिल

दैनिक दिव्य संवाद उज्जैन। 64 खानों के इस खेल में अपनी 16-16 मोहरों की सेना के साथ उतरे दिमाग के जादूगरों ने दूसरे दिन भी स्पर्धा का रोमांच बनाए रखा। छठें राउंड के लिए सुबह 10.00 बजे से शुरू हुआ शह मात का खेल दोपहर 03.00 बजे नौवें और अंतिम राउंड तक उलटफेर के साथ चलता रहा। कान्हा परिसर, इंदौर रोड पर आयोजित दो दिवसीय फर्स्ट रायसोनी मेमोरियल इंटरनेशनल फिडे रेटिंग रैपिड शतरंज टूर्नामेंट में 8.1/2 अंक लेकर प्रथम स्थान उदयपुर के फिडे मास्टर अरूण कटारिया ने प्राप्त किया, जबकि 8 प्वाइंट के साथ दूसरे स्थान पर नागपुर के जय सवालखे रहे। स्पर्धा में तीसरा स्थान भोपाल के मितांश दीशित ने प्राप्त किया और चौथे स्थान पर खंडवा के वैभव तोमर रहे। दिमागी खेल शतरंज में 05 साल से लगाकर 80 साल तक के खिलाड़ी शामिल थे। जिसमें ग्रेंड मास्टर हिमांशु शर्मा, दो फिडे मास्टर अरूण कटारिया, अभिषेक दास और तीन कैंडिडेट मास्टर अश्विन डेनियल, प्रखर बजाज व रूपेश कांत प्रमुख थे।

इस स्पर्धा की खास बात ये थी कि इसमें 129 रेटेड खिलाड़ी थे, जिन्होंने अनरेटेड खलाड़ियों के साथ मुकाबला किया। स्पर्धा में अनरेटेड प्लेयर ने रेटेड प्लेयर से कड़ी टक्कर ली। अंतर्राष्ट्रीय शतरंज स्पर्धा में विजेता खिलाड़ियों को क्रमशः 31000, 25000 और 20000 रूपए के नकद पुरस्कार और ट्रॉफियां देकर सम्मानित किया गया। स्पर्धा में पांचवां स्थान मोहित कुमार सोनी (बिहार), छठां स्थान अजय विरवानी (इंदौर), सातवां स्थान अश्विन डेनियल (भोपाल), आठवां स्थान प्रखर बजाज (कटनी), नौवां स्थान रूपेश कांत (ग्वालियर), दसवां स्थान मृदुहास त्रिपाठी (रतलाम), ने अर्जित किया। इसी तरह ग्यारवें से पंद्रवें स्थान तक क्रमशः उत्कर्ष भागवत उज्जैन, अक्षय सिंह तोमर खंडवा, कियान पोरवाल इंदौर, शिवम जोशी उज्जैन और अभिषेक दास जमशेदपुर ने प्राप्त किया।

सभी विजेताओं को नगर पुरस्कार प्रदान किए गए। इसके अलावा विभिन्न कैटेगिरी में 50 से अधिक खिलाड़ियों को ट्रॉफी, मैडल्स और दो लाख रूपए के कैश प्राइज देकर सम्मानित किया गया। उज्जैन में पहली बार आयोजित की गई फर्स्ट रायसोनी मेमोरियल इंटरनेशनल फिडे रेटिंग रैपिड शतरंज टूर्नामेंट का समापन रविवार को हुआ। ये प्रतियोगिता अखिल भारतीय शतरंज महासंघ (एआईसीएफ), भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) और एमपी चैस एडहॉक कमेटी के तत्वावधान में उज्जयिनी जिला शतरंज संघ, उज्जैन द्वारा आयोजित की गई थी। इस स्पर्धा की खास बात ये थी कि इसमें अन्य खेल संगठनों के पदाधिकारियों ने भी हिस्सा लिया और आयोजन को सफल बनाया।

समापन समारोह कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि समाजसेवी महेश परियानी, नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. एस.के. जैथलिया, डिजिटल भास्कर के एमपी हेड कपिल भटनागर, मलखंब एसोसिएशन के सोनू गेहलोत, टूर्नामेंट डायरेक्टर डॉ. ए.के. पाल, डॉ. विनोद वैरागी, डॉ. एसएन पांडे, टेबल टेनिस एसोसिएशन के राजेश शर्मा, हॉकी एसोसिएशन के अनिल निकम, ग्रांड मास्टर हिमांशु शर्मा, वरिष्ठ पत्रकार विश्वास शर्मा, अनिल गुप्ता, हेमंत मोहिते, उज्जयिनी जिला शतरंज संघ अध्यक्ष संदीप कुलश्रेष्ठ, सचिव महावीर जैन उपस्थित थे। अतिथियों का स्वागत खेल संगठनों के पदाधिकरियों और संघ के रमेशचंद शर्मा, सूरजभान सिंह चंदेल द्वारा किया गया। कार्यक्रम में स्वागत भाषण और आयोजन की जानकारी उज्जयिनी जिला शतरंज संघ के अध्यक्ष संदीप कुलश्रेष्ठ ने दी। कार्यक्रम का संचालन पुष्पेन्द्र शर्मा ने किया।

उज्जयिनी जिला शतरंज संघ के सचिव महावीर जैन और टूर्नामेंट डारेक्टर डॉ. ए.के. पाल ने बताया कि इस शतरंज स्पर्धा का संचालन चार महिला ऑर्बिटर द्वारा किया गया। जिसमें बतौर चीफ आर्बिटर आईए कंचना चौधरी, डिप्टी आर्बिटर आईए नागालक्ष्मी नागापुरम, एफए शिखा पलटा, और एसएनए हिमानी बजाज शामिल थीं। इनके अलावा एसए शुभम कुशवाह, कमलदीप ठकराल, शेखर यादव, कुणाल आयाचित और विवेक विश्वकर्मा की उपस्थित सराहनीय रही। उज्जयिनी जिला शतरंज संघ के अध्यक्ष संदीप कुलश्रेष्ठ ने बताया कि स्पर्धा में अनरेटेड प्लेयर्स, बेस्ट प्लेयर अबाउ 19, सीनियर बेस्ट प्लेयर, बेस्ट उज्जैन प्लेयर, बेस्ट अंडर 19 ब्वायस् एंड गर्ल्स, बेस्ट अंडर 15 ब्वायस् एंड गर्ल्स, बेस्ट अंडर 13 ब्वायस् एंड गर्ल्स, बेस्ट अंडर 11 ब्वायस् एंड गर्ल्स, बेस्ट अंडर 09 ब्वायस् एंड गर्ल्स, बेस्ट अंडर 07 ब्वायस् एंड गर्ल्स के पुरस्कार भी प्रदान किए गए। स्पर्धा को सफल बनाने में प्रो. अंशुल वस्त्राने, विवेचना क्षीरसागर और अंजली चंदेल भूमिका सराहनीय रही। अतिथियों ने देशभर से पधारे खिलाड़ियों को अच्छे खेल प्रदर्शन के लिए बधाइयां दी और श्रेष्ठ स्पर्धा संचालन के लिए आर्बिटर टीम को धन्यवाद दिया।

जैन समाज का अनोखा कपल क्रिकेट टूर्नामेंटः महिलाओं ने जड़े चौके-छक्के, झटके पुरुषों के विकेट

उज्जैन। जैन समाज के युवाओं को खेल से जोड़ने और शारीरिक फिटनेस को बढ़ावा देने के उद्देश्य से वर्धमान ग्रुप द्वारा आयोजित वर्धमान कपल क्रिकेट टूर्नामेंट का रविवार, 22 मार्च को सूर्या टर्फ पर शानदार समापन हुआ। पिछले एक माह से चल रहे इस अनूठे आयोजन में 200 से अधिक दंपतियों ने उत्साहपूर्वक क्रिकेट के मैदान पर अपना दम-खम दिखाया।

मंगलाचरण से शुरुआत, महिलाओं का रहा दबदबा

टूर्नामेंट में 6-6 ओवर के कुल 26 मैच खेले गए। नियमों के तहत 3 ओवर महिला और 3 ओवर पुरुष खिलाड़ियों ने फेंके, जबकि बैटिंग के दौरान क्रीज पर महिला-पुरुष की जोड़ी साथ खेली। मैचों की शुरुआत मंगलाचरण पाठ से की गई।

ग्रुप के अध्यक्ष हितेष-तनु बड़जात्या और सचिव राजेश-नमिता लुहाड़िया ने बताया कि पुरुष खिलाड़ियों के साथ-साथ महिलाओं ने भी उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन किया। महिला खिलाड़ियों ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए चौके-छक्के जड़े और अर्धशतक बनाए। गेंदबाजी में भी महिलाओं ने कमाल दिखाते हुए तीन गेंदों पर तीन पुरुषों को आउट कर हैट्रिक ली। हर मैच में शानदार प्रदर्शन करने वाली महिला खिलाड़ी को प्लेयर ऑफ द वुमन के खिताब से नवाजा गया।

वर्धमान सुपर किंग्स ने जीता खिताब-ग्रुप के कोषाध्यक्ष आदिश-खुशी विनायका ने बताया कि फाइनल मुकाबले में वर्धमान सुपर किंग्स ने खिताबी जीत दर्ज कर चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। वहीं, जैनम किंग्स और राइज एंड शाइन स्कॉर्ट्स की टीमें उपविजेता रहीं। टूर्नामेंट में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द सीरीज का विशेष पुरस्कार भी प्रदान किया गया। इसके अलावा बच्चों के लिए भी विशेष मैच आयोजित किए गए, जिसमें वर्धमान के अतिवीर और वर्धमान के महावीर के बीच फाइनल मुकाबला खेला गया। खेल में अंपायर मनीष चौधरी एवं सुरेन्द्र सिंघई थे।

ग्रुप के चेयरमैन पंकज-रेणु जैन ने बताया कि इस सफल आयोजन में सात को-ऑर्डिनेटरों– दिवेश-रश्मि सेठी, अविचल-प्रीति कासलीवाल, आशीष-टीना जैन, संदीप-नेहा जैन, रोहित-दीपांशी जैन, राजकुमार-रचना जैन और सर्वेश-साक्षी जैन के साथ-साथ विवेक-वंदना जैन की महत्वपूर्ण भूमिका रही। टूर्नामेंट के सह-प्रायोजक स्नेहलता-श्रवण कुमार सोगानी, संजय-रेखा पांड्या और नमन-ऋषिका बिलाला रहे।

संजय सूर्या का हुआ सम्मान-समापन समारोह के अवसर पर सूर्या टर्फ के संचालक संजय सूर्या को सकल जैन समाज उज्जैन का अध्यक्ष बनने पर सम्मानित किया गया। वर्धमान ग्रुप द्वारा उन्हें शॉल, श्रीफल और प्रशस्ति पत्र भेंट कर शुभकामनाएं दी गईं।

संपादकीय

जीवन के लिए सबक या सिर्फ मार्क्स के लिए?

पारंपरिक शिक्षा प्रणाली सदियों से समाज का अभिन्न अंग रही है। इसने हमारे सोचने, कार्य करने और जीवन के प्रति दृष्टिकोण को आकार दिया है। स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालय इस प्रणाली की आधारशिला हैं। वे एक संरचित वातावरण प्रदान करते हैं जहां छात्र गणित और विज्ञान से लेकर इतिहास और साहित्य तक विभिन्न प्रकार के विषय सीखते हैं। हालाँकि, कई लोग अक्सर सवाल करते हैं कि क्या यह प्रणाली वास्तव में वास्तविक जीवन में मदद करती है या क्या हम केवल परीक्षा उत्तीर्ण करने और प्रमाणपत्र अर्जित करने के लिए अध्ययन करते हैं। यह प्रश्न वैध है और विचारशील चर्चा का पात्र है। पारंपरिक शिक्षा को ज्ञान और कौशल प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है जो व्यक्तियों को भविष्य के लिए तैयार करता है। यह हमें प्रभावी ढंग से पढ़ना, लिखना और संवाद करना सिखाता है। ये बुनियादी कौशल दैनिक जीवन में महत्वपूर्ण हैं। उदाहरण के लिए, पढ़ने और लिखने का ज्ञान हमें महत्वपूर्ण जानकारी को समझने में मदद करता है, जैसे कि दवा की बोतलों पर निर्देश, सड़क के संकेत, या यहां तक कि प्रियजनों के टेक्स्ट संदेश। संचार कौशल हमें अपने विचारों और विचारों को स्पष्ट रूप से व्यक्त करने में मदद करते हैं, जो व्यक्तिगत और व्यावसायिक संबंधों दोनों के लिए आवश्यक है। बुनियादी कौशल के अलावा, पारंपरिक शिक्षा प्रणाली हमें कई विषयों से परिचित कराती है। गणित हमें पैसे का प्रबंधन करने, खर्चों की गणना करने और जीवन के पैटर्न को समझने में मदद करता है। विज्ञान हमें सवाल करने, प्रयोग करने और समस्याओं का तार्किक समाधान खोजने के लिए प्रोत्साहित करता है। इतिहास हमें अपनी जड़ों से जोड़ता है और यह समझने में मदद करता है कि समय के साथ समाज कैसे विकसित हुआ है। साहित्य हमारे दिमाग को विभिन्न संस्कृतियों, भावनाओं और मानवीय अनुभवों के प्रति खोलता है। जब ये विषय प्रभावी ढंग से पढ़ाए जाते हैं, तो ये हमारे आसपास की दुनिया को समझने के लिए एक आधार प्रदान करते हैं। जिस तरह से इन विषयों को पढ़ाया जाता है वह कभी-कभी वास्तविक जीवन के अनुप्रयोगों से कटा हुआ महसूस हो सकता है। उदाहरण के लिए, छात्र जटिल गणितीय समीकरण सीख सकते हैं लेकिन यह समझने में असफल हो जाते हैं कि वे बजट या निवेश जैसे रोजमर्रा के परिदृश्यों पर कैसे लागू होते हैं। इसी तरह, ऐतिहासिक तिथियों और घटनाओं को याद रखना अप्रासंगिक लग सकता है यदि हम मानव व्यवहार और निर्णय लेने के बारे में उनसे मिलने वाले सबक का पता नहीं लगाते हैं। सैद्धांतिक ज्ञान और व्यावहारिक अनुप्रयोग के बीच यह अंतर पारंपरिक शिक्षा प्रणाली की मुख्य आलोचनाओं में से एक है। परीक्षाएँ इस प्रणाली का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। उनका उद्देश्य किसी छात्र की विषय वस्तु की समझ का आकलन करना है। लेकिन समय के साथ, परीक्षाएं वास्तविक सीखने की बजाय रटकर याद करने पर केंद्रित हो गई हैं। कई छात्र केवल उच्च अंक प्राप्त करने पर ध्यान केंद्रित करते हैं, अक्सर परीक्षा के तुरंत बाद सामग्री भूल जाते हैं। यह एक ऐसा चक्र बनाता है जहां शिक्षा का प्राथमिक लक्ष्य ज्ञान प्राप्त करने से ग्रेड प्राप्त करने पर केंद्रित हो जाता है। ऐसे में शिक्षा का असली उद्देश्य खो जाता है। इन कमियों के बावजूद, पारंपरिक शिक्षा प्रणाली की अपनी खूबियाँ हैं। यह अनुशासन, समय प्रबंधन और दृढ़ता सिखाता है। छात्र एक शेड्यूल का पालन करना, असाइनमेंट पूरा करना और समय सीमा को पूरा करना सीखते हैं। ये आदतें कार्यस्थल और जीवन में मूल्यवान हैं। इसके अलावा, यह प्रणाली छात्रों को कक्षाओं में एक साथ लाकर सामाजिक कौशल को बढ़ावा देती है। वे साथियों के साथ बातचीत करना, टीमों में काम करना और रिश्ते बनाना सीखते हैं। भावनात्मक बुद्धिमत्ता विकसित करने और सामाजिक गतिशीलता को समझने के लिए ये अनुभव आवश्यक हैं। आलोचकों का तर्क है कि पारंपरिक शिक्षा प्रणाली अनुरूपता और मानकीकृत परीक्षण पर बहुत अधिक ध्यान केंद्रित करती है। उनका मानना है कि यह रचनात्मकता और व्यक्तिगत सोच को दबा देता है। हालाँकि इसमें कुछ सच्चाई है, लेकिन यह महत्वपूर्ण भी हैयह पहचानें कि सिस्टम सभी छात्रों को उनकी पृष्ठभूमि की परवाह किए बिना एक साझा मंच प्रदान करता है। यह एकरूपता सुनिश्चित करती है कि हर किसी को बुनियादी शिक्षा तक पहुंच मिले, जो एक मौलिक अधिकार है। हाल ही में शिक्षा को अधिक प्रासंगिक और आकर्षक बनाने के प्रयास किए गए हैं। स्कूल व्यावहारिक शिक्षण विधियों, जैसे परियोजनाओं, प्रयोगों और वास्तविक दुनिया की समस्या-समाधान को शामिल कर रहे हैं। शिक्षकों को पाठों को अधिक प्रासंगिक बनाने के लिए इंटरैक्टिव तकनीकों और प्रौद्योगिकी का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। इन परिवर्तनों का उद्देश्य सैद्धांतिक ज्ञान और व्यावहारिक कौशल के बीच अंतर को पाटना है। शिक्षा केवल शिक्षाविदों के बारे में नहीं है; यह हमारे मूल्यों और चरित्र को भी आकार देता है। स्कूल हमें ईमानदारी, जिम्मेदारी और सम्मान का महत्व सिखाते हैं। ये पाठ भले ही पाठ्यपुस्तकों में नहीं लिखे गए हों, लेकिन ये दैनिक बातचीत और अनुभवों के माध्यम से सिखाए जाते हैं। उदाहरण के लिए, समूह गतिविधियों में भाग लेना हमें टीम वर्क और सहानुभूति सिखाता है। कठिन परीक्षाओं या कठिन कार्यों जैसी चुनौतियों का सामना करने से लचीलापन और आत्मविश्वास पैदा होता है। पारंपरिक शिक्षा प्रणाली अवसरों के द्वार भी खोलती है। एक अच्छी शिक्षा एक स्थिर नौकरी हासिल करने, अच्छी आय अर्जित करने और किसी के जीवन की गुणवत्ता में सुधार करने की संभावना बढ़ाती है। यह उच्च अध्ययन और विशेष प्रशिक्षण के लिए आधार प्रदान करता है, जो कई व्यवसायों के लिए आवश्यक है। यहां तक कि उन क्षेत्रों में भी जिनमें रचनात्मकता और नवीनता की आवश्यकता होती है, जैसे कला या उद्यमिता, एक बुनियादी शिक्षा विचारों को प्रभावी ढंग से संप्रेषित करने और संसाधनों को कुशलतापूर्वक प्रबंधित करने के लिए उपकरण प्रदान कर सकती है। उन्होंने कहा, शिक्षा कक्षाओं और पाठ्यपुस्तकों तक ही सीमित नहीं रहनी चाहिए। सीखना एक आजीवन प्रक्रिया है जो औपचारिक स्कूली शिक्षा से आगे तक फैली हुई है। वास्तविक जीवन के अनुभव, स्वाध्याय और अन्वेषण भी समान रूप से महत्वपूर्ण हैं। उदाहरण के लिए, यात्रा हमें विभिन्न संस्कृतियों और दृष्टिकोणों के बारे में सिखाती है। स्वयंसेवा हमें सेवा और समुदाय के मूल्य को समझने में मदद करती है। शौक और रुचियों को पूरा करने से रचनात्मकता और व्यक्तिगत विकास को बढ़ावा मिलता है। यह समझना भी महत्वपूर्ण है कि हर कोई पारंपरिक शिक्षा प्रणाली में सफल नहीं होता है। कुछ लोग रचनात्मक या व्यावहारिक क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त करते हैं जिन्हें पारंपरिक कक्षाओं में पर्याप्त रूप से संबोधित नहीं किया जाता है। यह शिक्षा के लिए अधिक समावेशी दृष्टिकोण की आवश्यकता पर प्रकाश डालता है, जो विविध प्रतिभाओं और सीखने की शैलियों को पूरा करता है। व्यावसायिक प्रशिक्षण, वैकल्पिक स्कूल और ऑनलाइन पाठ्यक्रम इस बात के कुछ उदाहरण हैं कि व्यक्तिगत जरूरतों को पूरा करने के लिए शिक्षा को कैसे विविध बनाया जा सकता है। शिक्षा में माता-पिता और समाज की भूमिका को नज़रअंदाज नहीं किया जा सकता। माता-पिता अपने बच्चों की सीखने की यात्रा का मार्गदर्शन और समर्थन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वे जिज्ञासा को प्रोत्साहित कर सकते हैं, संसाधन प्रदान कर सकते हैं और सीखने के लिए अनुकूल माहौल बना सकते हैं। समाज की भी जिम्मेदारी है कि वह शिक्षा को महत्व दे और उन पहलों का समर्थन करे जो इसे सभी के लिए सुलभ बनायें।

ग्लोबल वॉर्मिंग और एआई के खतरे

नीति निर्माताओं, वैज्ञानिकों, प्रौद्योगिकीविदों और अर्थशास्त्रियों के बीच आज अगर किसी मुद्दे पर सबसे ज्यादा और गरमागरम चर्चा हो रही है तो वे हैं ग्लोबल वार्मिंग और आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई)। बड़ी कंपनियों के आला अधिकारियों के दफ्तर हों या पढ़े-लिखे तबके के ड्रॉइंग रूमज वहां भी इन्हें बहस मुबाहिसों में भरपूर जगह मिल रही है।

जलवायु परिवर्तन की बात को सिरे से नकारने वालों को छोड़ दें तो हर कोई मानता है कि ग्लोबल वार्मिंग देश और दुनिया में आम जीवन तथा अर्थव्यवस्था के लिए बहुत बड़ा खतरा है। हालांकि बाकी सभी आपदाओं की तरह ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन से कई कारोबारी मौके भी मिलते हैं फिर भी ज्यादातर लोग मानेंगे कि जलवायु परिवर्तन से आ रहे कारोबारी मौके उससे मानवता को होने वाले खतरे की तुलना में कुछ भी नहीं हैं।

इस बीच एआई के क्षेत्र में हाल में हुई घटनाओं से मिली-जुली भावनाएं जन्म ले रही हैं। जो लोग इसे ठीक तरीके से इस्तेमाल कर सकते हैं, उन्हें उद्योगों में क्रांति लाने तथा अर्थव्यवस्था को तेज रफ्तार देने की इसकी क्षमता ललचा रही होगी। मगर इसके खतरे भी साफ नजर आ रहे हैं ङ्क एआई के कारण नौकरियां जाना तय है और इससे बन रहे डीपफेक के कारण जिंदगियां तबाह हो रही हैं, चुनावों पर असर डाला जा रहा है और आफत आ रही है।

ग्लोबल वार्मिंग और एआई पर एक साथ चर्चा शायद ही कहीं सुनने को मिले बल्कि दोनों को एक साथ जोड़कर भी नहीं देखा जाता। यह बड़ी भूल है क्योंकि इन दोनों एक-दूसरे के बेहद करीब हैं। ग्लोबल वार्मिंग का इतिहास खंगालने पर पता चलता है कि कार्बन उत्सर्जन की शुरुआत बेशक तब हुई, जब मनुष्य ने आग की खोज की मगर आज हम जिस दारुण स्थिति में हैं, उसकी वजह प्रौद्योगिकी में हुए विकास हैं। भाप का इंजन हो या ताप बिजली या हाइड्रोकार्बन क्रांति और सूचना प्रौद्योगिकी का उद्भव ङ्क हर औद्योगिक क्रांति के साथ उत्सर्जन की मात्रा कई गुना बढ़ती गई।

कार्बन डाई ऑक्साइड को प्राकृतिक तरीके से सोखने वाले संसाधनों और कार्बन का उत्सर्जन करने वाले कारकों के बीच संतुलन बदलने लगा। जंगल काटे गए और जलाशयों का अतिशय दोहन किया गया तो प्राकृतिक तरीके से कार्बन सोखने की क्षमता कम होती गई। इसके बाद जैसे-जैसे हमने बिजली बनाने के लिए कोयले और हाइड्रोकार्बन जलाए तथा परिवहन तथा उद्योगों के लिए पेट्रोल और डीजल की न बुझने वाली प्यास हमें हुई तो ग्लोबल वार्मिंग की रफ्तार भी बढ़ने लगी। विकास और बेहतर जीवन स्तर तथा बढ़ी आय के दुष्परिणाम और भी ज्यादा उत्सर्जन के रूप में दिखे हैं। बहरहाल हाइड्रोकार्बन, कोयला, पेट्रोल-डीजल इंजन, सीमेंट और स्टील कारखाने तथा टनों तेल जलाकर चलने वाले भारी-भरकम मालवाहक जहाज को तो हर कोई खलनायक मानता है। किंतु डिजिटल प्रौद्योगिकी और सूचना प्रौद्योगिकी क्रांति की भूमिका पर न तो ठीक से चर्चा होती है न ही कोई उन्हें कोसता है। पर्सनल कंप्यूटर और मोबाइल फोन का हर जगह पसरना, इंटरनेट का छा जाना, क्लाउड क्रांति, क्रिप्टोकरेंसी की लोकप्रियता में उछाल और अब जेनरेटिव एआई क्रांति के कारण ग्लोबल वार्मिंग में इजाफे पर कोई बात ही नहीं करता।

डेटा सेंटर घर और दफ्तर में हमारी जिंदगी आसान बनाते हैं मगर ये भारी मात्रा में बिजली और पानी भी खर्च करते हैं, जिससे ग्लोबल वार्मिंग तथा कार्बन उत्सर्जन में वृद्धि होती है। उन्हें ठंडा रखने के लिए एयरकंडीशनर यानी एसी का इस्तेमाल होता है मगर वे पर्यावरण में गर्मी छोड़ते ही हैं। कंप्यूटिंग की प्रक्रिया से गर्मी पैदा होती ही है। बड़े-बड़े डेटा सेंटर बहुत अधिक गर्मी छोड़ते हैं और बड़ी टेक कंपनियां इससे निपटने के लिए पानी के नीचे या बेहद ठंडे इलाकों में डेटा सेंटर बनाने जैसी जुगत भिड़ाती रहती हैं। इन तरीकों से सर्वर तो ठंडे रह सकते हैं मगर आखिरकार ग्लोबल वार्मिंग बढ़ती ही है। जेनरेटिव एआई और लार्ज लैंग्वेज मॉडल्स (एलएलएम) की लोकप्रियता ने यह समस्या और भी बढ़ दी है। नए जमाने की इन तकनीकों में बहुत अधिक ऊर्जा खप जाती है। एक हालिया अध्ययन में अनुमान लगाया गया है कि चैटजीपीटी रोजाना जितनी बिजली खाती है, उतनी बिजली अमेरिका 1.80 लाख परिवार एक दिन में खर्च कर पाते हैं। बिजली खपत का यह आंकड़ा केवल चैटजीपीटी का है। गूगल जेमिनाई से लेकर एंथ्रॉपिक की क्लाउड, मेटा की लामा, एक्स की ग्रौक, फ्रांस की मिस्ट्रल एआई और दूसरी तकनीकें भी इतनी ही ऊर्जा खर्च कर रही होंगी। उसके बाद चीन की जेनएआई कंपनियां हैं, जो पश्चिमी दुनिया की जेनएआई दिग्गजों को मात देने की कोशिश कर रही हैं।

आशावादी तबका दलील देता है कि एआई खुद ही ग्लोबल वार्मिंग से निपटने में मदद करेगी। कई नीति निर्धारक भी सौर ऊर्जा जैसे अक्षय ऊर्जा स्रोतों से एआई क्लाउड सेंटर चलाने की वकालत कर रहे हैं। लेकिन एआई के लिए जितनी ऊर्जा की जरूरत होती है उतनी अक्षय ऊर्जा है ही नहीं। हताश होकर अब माइक्रोसॉफ्ट से लेकर एमेजॉन और ओपनएआई तक तमाम बड़ी प्रौद्योगिकी कंपनियां परमाणु ऊर्जा इस्तेमाल करने जा रही हैं। बंद पड़ा लॉन्ग माइल आईलैंड परमाणु संयंत्र दोबारा खोलने से लेकर मॉड्यूलर परमाणु विखंडन परियोजनाओं में निवेश करने और परमाणु संयोजन क्षेत्र की स्टार्टअप पर दांव खेलने तक सिलिकन वैली की दिग्गज कंपनियां सारे विकल्प आजमा रही हैं। क्या इनसे मदद मिलेगी? परमाणु ऊर्जा वरदान होगी या अभिशाप, यह तो भविष्य ही बताएगा। परमाणु ऊर्जा के खतरे देखकर ही उससे दुनिया का मोहभंग हुआ था और खतरे खत्म नहीं हुए हैं। क्या हम समय चक्र में पीछे जा सकते हैं और एआई के विकास पर तब तक विराम लगा सकते हैं।

जब तक ग्लोबल वार्मिंग का कोई समाधान नहीं मिल जाता? यह एकदम बचकानी बात है क्योंकि मानव विकास की राह पर पीछे नहीं जा सकता।

हालांकि जो कुछ आजमाया जा चुका है, उसके अलावा कोई और त्वरित समाधान अभी नजर नहीं आता। मगर नीति निर्माताओं और प्रौद्योगिकी के माहिरों को एआई क्रांति पर चर्चा यह मानकर शुरू करनी होगी कि उसका बढ़ती ग्लोबल वार्मिंग से गहरा नाता है। साथ ही एआई कंपनियों से कहना होगा कि दूसरे उद्योगों के लिए सॉल्यूशन बाद में तैयार करें और उससे पहले खुद का कार्बन उत्सर्जन कम करने के तरीके तलाशें।

ऐसा नहीं हुआ तो पता नहीं कि कुछ विज्ञान कथा लेखकों की कल्पना के मुताबिक एआई पूरे समाज को अपने नियंत्रण में लेकर मानवता को सीधे खत्म कर देगी या उसकी वजह से हो रही ग्लोबल वार्मिंग की चपेट में आकर एक दिन पृथ्वी से ज्यादातर जीवन विलुप्त हो जाएगा। दोनों में से कोई भी कल्पना सुकून देने वाली तो नहीं है।

सफल लोग अलग तरह से काम करते हैं

सफलता को अक्सर प्रतिभा, कड़ी मेहनत और अवसर के संयोजन के रूप में देखा जाता है। हालांकि ये कारक निर्विवाद रूप से एक भूमिका निभाते हैं, लेकिन वे पूरी तरह से यह नहीं समझाते हैं कि क्यों कुछ व्यक्ति असाधारण सफलता हासिल करते हैं जबकि समान क्षमताओं और परिस्थितियों वाले अन्य लोग असफल हो जाते हैं। विशिष्ट कारक अक्सर इस बात में निहित होता है कि सफल लोग कैसे सोचते हैं, कार्य करते हैं और अपने लक्ष्य तक कैसे पहुंचते हैं। वे केवल पारंपरिक रास्तों का अनुसरण नहीं करते हैं; वे एक अनोखी मानसिकता और सोच-समझकर की गई आदतों के साथ अपनी पहचान बनाते हैं। ये अंतर, सूक्ष्म लेकिन गहन, उनकी सफलता की रीढ़ बनते हैं और उन्हें बाकियों से अलग करते हैं। उनके दृष्टिकोण के मूल में उद्देश्य की अविश्वसनीय स्पष्टता है। सफल लोग जानते हैं कि उन्हें क्या चाहिए और यह क्यों मायने रखता है। यह स्पष्टता एक कम्पास के रूप में कार्य करती है, जो यात्रा जटिल और अनिश्चित होने पर भी उनके कार्यों और निर्णयों का मार्गदर्शन करती है। उनके लक्ष्य अस्पष्ट महत्वाकांक्षाएं नहीं बल्कि सटीक उद्देश्य हैं जो कार्रवाई योग्य चरणों में विभाजित हैं। अपने वांछित परिणामों पर तेजी से ध्यान केंद्रित करने की यह क्षमता उन्हें विकर्षणों से बचने और गति बनाए रखने में मदद करती है। वे समझते हैं कि सफलता के लिए उनके दृष्टिकोण के प्रति एकनिष्ठ समर्पण की आवश्यकता होती है, और वे इसे प्राप्त करने के लिए अपने जीवन की संरचना करने के इच्छुक होते हैं। एक और परिभाषित गुण चुनौतियों को बाधाओं के बजाय अवसरों के रूप में देखने की उनकी क्षमता है। अधिकांश लोगों के लिए, विफलता एक बाधा है, पीछे हटने या हार मानने का एक कारण है। सफल व्यक्तियों के लिए, विफलता प्रक्रिया का एक अपरिहार्य हिस्सा है - मूल्यवान सबक का एक स्रोत जो उन्हें आगे बढ़ाता है। परिप्रेक्ष्य में यह अंतर लचीलापन पैदा करता है, एक ऐसा गुण जो उन्हें प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करने में सक्षम बनाता है। वे असफलता से नहीं डरते क्योंकि वे इसे एक बाधा के बजाय एक कदम के रूप में देखते हैं।

यह मानसिकता, परिकलित जोखिम लेने की उनकी इच्छा के साथ मिलकर, उन्हें नए रास्ते तलाशने और वहां कुछ नया करने की अनुमति देती है जहां अन्य लोग झिझकते हैं। सफल लोगों के लिए समय लापरवाही से खर्च किया जाने वाला संसाधन नहीं है। वे इसे अपनी सबसे मूल्यवान संपत्ति मानते हैं, यह समझते हुए कि वे अपने समय का प्रबंधन कैसे करते हैं, अंततः उनकी उपलब्धियों का दायरा निर्धारित होता है। कई लोगों के विपरीत, जो ध्यान भटकाने वाले या काम टालने वाले होते हैं, सफल व्यक्ति जानबूझकर समय प्रबंधन का अभ्यास करते हैं। वे उन कार्यों को प्राथमिकता देते हैं जो उनके लक्ष्यों के अनुरूप होते हैं और उन गतिविधियों से बचते हैं जो उनके जीवन में मूल्य नहीं जोड़ते हैं। यह अनुशासित दृष्टिकोण उन्हें अत्यधिक काम के जाल में फंसे बिना उत्पादकता को अधिकतम करने में सक्षम बनाता है। उन्हें एक संतुलन मिलता है जो उन्हें अपनी भलाई और रिश्तों को बनाए रखते हुए उत्कृष्टता प्राप्त करने की अनुमति देता है। सबसे अधिक ध्यान देने योग्य अंतरों में से एक विकास के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता में निहित है। सफल लोग आजीवन सीखने वाले होते हैं जो कभी भी आत्मसंतुष्ट नहीं होते। वे ज्ञान को एक गतिशील संसाधन के रूप में देखते हैं, जो लगातार अपने क्षितिज का विस्तार करने और अपने कौशल को निखारने की कोशिश करते हैं। निरंतर सीखने की यह प्रतिबद्धता उन्हें लगातार बदलती दुनिया में अनुकूलनीय बनाए रखती है। चाहे पढ़ने के माध्यम से, सलाह लेने के माध्यम से, या नए विचारों के साथ प्रयोग करके, वे सुनिश्चित करते हैं कि वे प्रासंगिक बने रहें और भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार रहें। उनकी जिज्ञासा उनके विकास को बढ़ावा देती है, उन्हें अपने आराम क्षेत्र की सीमाओं से परे अन्वेषण करने के लिए प्रेरित करती है। सार्थक रिश्तों के निर्माण और पोषण पर उनका ध्यान उनकी सफलता का एक और निर्णायक पहलू है। अकेली प्रतिभा के मिथक के विपरीत, अधिकांश सफल लोग सहयोग और समुदाय की शक्ति को पहचानते हैं। वे अपने आसपास ऐसे व्यक्तियों से घिरे रहते हैं जो उन्हें चुनौती देते हैं, उन्हें प्रेरित करते हैं और सहायता प्रदान करते हैं। इनरिश्ते सतही नेटवर्किंग पर नहीं बल्कि विश्वास और आपसी सम्मान पर आधारित वास्तविक संबंधों पर बनते हैं। ऐसा नेटवर्क न केवल व्यावहारिक अवसर प्रदान करता है बल्कि कठिन समय के दौरान ताकत के स्रोत के रूप में भी काम करता है। प्रभावी ढंग से सहयोग करने की क्षमता उन्हें अपना प्रभाव बढ़ाने और ऐसे लक्ष्य हासिल करने की अनुमति देती है जो अकेले असंभव होंगे। निरंतर सफलता प्राप्त करने वालों के लिए शारीरिक और मानसिक कल्याण एक प्राथमिकता है। वे मानते हैं कि उच्च स्तर पर प्रदर्शन करने की उनकी क्षमता सीधे उनके स्वास्थ्य से जुड़ी है। परिणामस्वरूप, वे नियमित व्यायाम, सचेतनता और संतुलित आहार जैसी प्रथाओं को अपनी दिनचर्या में शामिल करते हैं। ये आदतें केवल शारीरिक फिटनेस बनाए रखने के बारे में नहीं हैं; वे फोकस भी बढ़ाते हैं, तनाव कम करते हैं और भावनात्मक लचीलेपन में सुधार करते हैं। सफल व्यक्ति अपने स्वास्थ्य को एक अपरिहार्य निवेश मानते हैं, यह समझते हुए कि यह उनके जीवन के अन्य सभी पहलुओं को रेखांकित करता है। भलाई पर यह जोर उन्हें निरंतरता के साथ अपने लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक ऊर्जा और स्पष्टता बनाए रखने की अनुमति देता है। शायद सफल व्यक्तियों का सबसे महत्वपूर्ण गुण अपने काम के प्रति उनका जुनून है।

शादियों और पार्टियों में दिखावा

विवाह समारोहों के माध्यम से स्वयं को दूसरों से बड़ा, योग्य, सक्षम और आकर्षक बनाने की यह अंधी दौड़ निश्चित रूप से बहुत खतरनाक है। उधार का घी पीकर अपनी खुशी जाहिर करने की प्रवृत्ति निश्चित रूप से व्यक्ति, परिवार और समाज के पतन का कारण बन रही है। वर्तमान की चार दिवसीय चमक भविष्य को गहरे अंधकार में धकेल रही है। देश में कोरोना की कम होती रफ्तार और सरकार द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों में दी गई छूट के कारण अब जन जीवन सामान्य होता दिख रहा है। सहज रूप मेंवैवाहिक कार्यक्रमों की रौनक लौट आई है। अब पहले जैसी भीड़ लगती है. हाल ही में देवसानी एकादशी के बाद जब विवाह की प्रक्रिया शुरू हुई तो मुझे भी एक के बाद एक कई शादियों में शामिल होने का मौका मिला। इस भव्य शादी में हमेशा की तरह वैभव और आराम की भी झलक थी। तेरी कमीज, मेरी कमीज से सीधे ऐसे की तर्ज पर चल रहे इस कार्यक्रम में आयोजक अपनी क्षमता से ज्यादा पैसे खर्च करते नजर आए। गार्डन, धर्मशाला, लॉज-होटल जैसे विवाह स्थलों की रौनक बढ़ाना चाहते हैंइसके चलते टेंट और बिजली उपकरणों पर पैसा पानी की तरह बहता नजर आया. कार्यक्रम पंडाल की सजावट बढ़िया है, खान-पान को अपना हुनर दिखाने का ज़रिया बनाया गया है. खाने में कुछ नया या नई वैरायटी परोसने की होड़ में बनाए गए व्यंजनों की संख्या छब्बीस से भी ज्यादा खुशी से भरी देखी गई। अब यदि खाने वाला चार-पांच से अधिक व्यंजन चखता या थाली में छोड़ता नजर न आए तो प्रबंधकों की आर्थिक समृद्धि बता दी जाती है। कहने की जरूरत नहीं कि ऐसे विवाह समारोहों में पैसा भी और खाना भीयह बर्बाद हो गया है. क्या आपको लगता है कि क्या कोई मेहमान खाने की बर्बादी रोक पाएगा? यदि वह समझदारी दिखाए कि इतने सारे व्यंजनों में से कुछ का स्वाद न चखे या प्रत्येक प्लेट से आधा निवाला, भले ही कुछ मात्रा में ही क्यों न ले, भोजन का बर्बाद होना निश्चित है। हालाँकि, हमारे मेहमानों से इतने विवेक की अपेक्षा करना अनुचित होगा। जब से हमारे देश में अपशिष्ट संस्कृति का प्रसार हुआ है तब से भोजन की बर्बादी भी बढ़ गई है।

पुरानी संस्कृति की बुराई जैसी कोई चीज़ नहीं है. कमी सिर्फ हममें है, इसके सही ढंग से काम करने कीये संस्कार यहां नहीं पनपे. शादी समारोहों में अक्सर देखा जाता है कि लोग अपनी थाली में ज्यादा से ज्यादा खाने-पीने की चीजें यह सोच कर रख लेते हैं कि बाद में मिल जाएगी या फिर थाली में ही छोड़ देंगे, लेकिन बाद में ज्यादातर लोग इसे यूं ही रख देते हैं। जैसे यदि छब्बीस या उससे अधिक व्यंजन बनाए जाएं तो भोजन की बर्बादी को कौन रोक सकता है? हमारी संस्कृति में हर अनाज का अपना महत्व है। अन्न को ब्रह्म कहा गया है, इसे ईश्वर तुल्य माना गया है। ऐसी स्थिति में विवाहआयोजनों में जूठन कह कर खाना फेंकना क्या खाने का अपमान या भगवान का अपमान नहीं है? हम चीजों की नकल करने में माहिर हैं. उस अनुकरण में बुद्धि का प्रयोग बिल्कुल न करें। यह दावतों या दावतों में दिखावे का नतीजा है। अगर नकल करनी ही है तो सिर्फ उन्हीं देशों में की जानी चाहिए जहां खाने की बर्बादी को लेकर सख्त कानून हैं. कई देशों में भोजन की बर्बादी पर भारी जुर्माना लगाया जाता है।

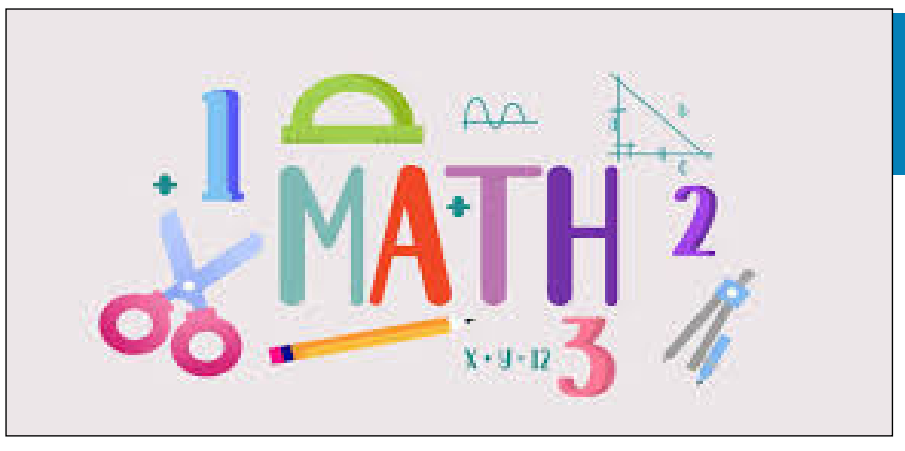

गणित विषय सीखने की ट्रिक

कमजोर विद्यार्थियों के लिए गणित सीखने के गुर मैं गणित में अच्छा नहीं हूं या त्रिकोणमिति के प्रश्नों को कैसे हल करूं? ऐसे प्रश्न छात्रों के मन में उठते हैं और गणित का डर उन्हें विषय में असफल होने के बुरे सपने देता है। यदि छात्र गणित की अच्छी तैयारी नहीं कर पाते हैं तो उन्हें पेपर में सफलता की संभावना पर संदेह होने लगता है। छात्रों के सामने आने वाली आम समस्या कठिन प्रश्नों को हल करना और त्वरित गणना करना है जो केवल नियमित अभ्यास से ही संभव हो सकता है। इसके अलावा, यदि किसी छात्र को पहले से ही गणित में खराब ग्रेड मिल रहे हैं तो विषय में फेल होने का डर अपने चरम पर होता है। हर छात्र जिसे गणित की परीक्षा देनी होती है, वह कठिन सवालों का सामना करने का साहस जुटाता है।

गणित के लिए छात्रों द्वारा सामना की जाने वाली सामान्य समस्याओं पर यहां चर्चा की गई है - गणित के पेपर के लिए छात्रों की सामान्य समस्याएं ङ्क गणित का प्रश्नपत्र देखकर वे शून्य हो जाते हैं और भ्रमित हो जाते हैं वे प्रश्न हल करते समय छोटी-छोटी गलतियाँ करते हैं विश्लेषण और तैयारी युक्तियाँ कमजोर और प्रतिभाशाली छात्रों के बीच अंतर ङ्क एक छात्र जो गणित में प्रतिभाशाली है, उसे प्रश्नों के प्रकार के बारे में पता चल जाता है और वह एक अध्याय से केवल एक या दो प्रश्नों को हल करके उसके अनुसार रणनीति तैयार कर लेता है। और जो छात्र गणित में कमजोर होते हैं वे भ्रमित हो जाते हैं और जल्द ही प्रश्नों को आधे में ही हल करना छोड़ देते हैं। कमजोर छात्रों को प्रत्येक प्रश्न के लिए मूल अवधारणा का उल्लेख करना होगा। हालाँकि, जो छात्र गणित में तेज़ हैं, वे केवल एक बार में ही अवधारणा को समझने के बाद प्रश्नों को तुरंत चुन लेते हैं। स्व-अध्ययन युक्तियाँ टॉपर्स की तरह गणित से कैसे निपटें? अधिक अभ्यास करें- गणित एकमात्र ऐसा विषय है जहां सिद्धांत सीखना उतना महत्वपूर्ण नहीं है जितना कि संख्यात्मक की सत्यता को हल करना, इसलिए जो छात्र गणित में कमजोर हैं उन्हें गणित में अपनी गति और सटीकता बढ़ाने के लिए जितना संभव हो उतने प्रश्नों को हल करने की आवश्यकता है। मानसिक गणना का उपयोग करें - छात्रों को प्रश्नों के मूल भागों को हल करने के लिए मानसिक गणना या योग्यता का उपयोग करना चाहिए। आमतौर पर यह देखा जाता है कि छात्र जटिल गणनाओं में फंस जाते हैं लेकिन सरल अंकगणित की मानसिक गणना से भी वे अपना अतिरिक्त समय और प्रयास बचा पाएंगे।

टॉपर छात्र इस तथ्य को स्वीकार करते हैं कि गणित विषय के लिए वे संख्याओं के साथ खेलने और त्वरित और सटीक गणना करने के लिए मानसिक गणना करते हैं। अवधारणाओं को विभाजित करें - जो छात्र गणित में कमजोर हैं उन्हें गणित में महारत हासिल करने के लिए छोटे-छोटे कदम उठाने चाहिए। इसके लिए उन्हें एक अवधारणा से प्रश्नों को तीन भागों में विभाजित करना होगा - आसान- सीधे प्रमेयों और सूत्रों पर आधारित प्रश्न। मध्यम - 2 या अधिक अवधारणाओं पर आधारित प्रश्न। कठिन प्रश्न - लंबे और समय लेने वाले प्रश्न जिन्हें विभिन्न रणनीतियों के साथ हल करने की आवश्यकता होती है; उदाहरण के लिए संभाव्यता अध्यायों में प्रश्न। प्रश्नों को हल करने के लिए नई तरकीबें न अपनाएं - छात्रों को यह समझने की जरूरत है कि गणित ही एकमात्र ऐसा विषय है जहां प्रश्नों को हल करने के लिए सीखने के तरीकों और तकनीकों में बदलाव दुर्लभ हैं। हम उन तरीकों को अपना रहे हैं जो गणित विशेषज्ञों ने हमें दशकों से सिखाए हैं। हालाँकि, गणित सीखने के लिए वैदिक गणित जैसी दिलचस्प और मजेदार तरकीबें हैं, लेकिन जिन छात्रों को इसकी अच्छी जानकारी नहीं है, उन्हें अपनी परीक्षा के दौरान इसे आज़माना नहीं चाहिए। गणित सीखने की ऐसी विधियों का अभ्यास तब किया जाना चाहिए जब छात्रों के पास पर्याप्त समय हो और वे कुछ नया और दिलचस्प सीखना चाहते हों।

प्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान की गतिविधियां हुईं आरंभ

इन्दौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में जल संरक्षण और जल स्त्रोतों को नया जीवन देने के लिए प्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत विभिन्न विभागों द्वारा जल स्त्रोतों को संरक्षित करने और जागरूकता बढ़ाने के लिए व्यापक स्तर पर कार्य किए जा रहे हैं। विभिन्न विभागों के समन्वय से गांव-गांव में तालाब, कुएं, चेकडेम और अन्य जल संरचनाओं के संरक्षण एवं पुनर्जीवन का कार्य किया जा रहा है। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत कार्य आरंभ हो गये है। शासन के 18 विभाग की अभियान में सहभागिता हैं। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग अभियान' को नोडल तथा नगरीय प्रशासन एवं आवास विभाग के सह-नोडल विभाग बनाया गया है।

जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत समाज की भागीदारी और विभिन्न सहभागी विभागों के माध्यम से नवीन जल संग्रहण संरचनाओं के निर्माण का लक्ष्य रखा गया है। भूजल संवर्धन, जल संग्रहण संरचनाओं की साफ-सफाई व मरम्मत तथा नवीनीकरण, जल संग्रहण संरचनाओं के अतिक्रमण हटाने के कार्य अभियान में किये जायेंगे। स्कूलों में पेयजल गुणवत्ता परीक्षण, आंगनवाड़ियों तथा औद्योगिक इकाईयों में रूफ वाटर हार्वेस्टिंग के कार्य भी किये जायेंगे। जल स्त्रोतों में प्रदूषण के स्तर को कम करने, जल स्त्रोतों तथा जल वितरण प्रणालियों की साफ सफाई की जायेगी। राजस्व रिकार्ड में जल संग्रहण संरचनाओं व नहरों को अंकित करने और मानसून सत्र में किये जाने वाले पौधारोपण के लिए आवश्यक तैयारियों के कार्य किये जाएंगे। अठारह विभागों की है सहभागिता* जल गंगा संवर्धन अभियान में पंचायत एवं ग्रामीण विकास, नगरीय प्रशासन एवं आवास, वन, जल संसाधन, नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, उद्यानिकी, किसान कल्याण तथा कृषि विकास, औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, पर्यावरण, महिला एवं बाल विकास, स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा, राजस्व, संस्कृति, जन अभियान परिषद और जनसंपर्क विभाग शामिल हैं।

नगरीय विकास विभाग द्वारा निकायों में अमृत 2.0 अंतर्गत जल संग्रहण संरचनाओं का जीर्णोद्धार, नदियों में मिलने नालों के शोधन की कार्य योजना बनाई गई है। तालाब, नदी, बावड़ी के संवर्धन एवं अतिक्रमण मुक्त करने का लक्ष्य रखा गया है। रेन वॉटर हार्वेस्टिंग प्रणाली स्थापित कराने के साथ हरित क्षेत्र विकसित किये जायेंगे।

जल संरक्षण में युवाओं की भागीदारी के लिए अमृत मित्र बनाकर माय भारत पोर्टल पर पंजीकरण किये जायेंगे। नगरीय निकायों के प्रमुख स्थलों पर गर्मियों में पेय जल सुविधा के लिए जनसहयोग से सार्वजनिक प्याऊ की व्यवस्था करना जैसे कार्य भी किए जाएंगे।

अभियान में वन विभाग द्वारा जलग्रहण क्षेत्र उपचार योजना के तहत लगभग सवा लाख हेक्टेयर में भूजल संवर्धन के कार्य, कृषि विभाग द्वारा बलराम तालाब और लाइन फ़ार्म पोंड का निर्माण और पर्यावरण विभाग द्वारा विशेष तौर पर बेतवा, क्षिप्रा, कान्ह और गंभीर नदियों के उद्गम से अंतिम सीमा तक सर्वेक्षण कर दूषित जल के मिलने के स्थानों का चिन्हांकन किया जाएगा। स्कूल शिक्षा, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के साथ सभी स्कूलों में पेयजल स्त्रोतों के जल की गुणवत्ता का परीक्षण करेगा। उच्च शिक्षा विभाग अपनी गतिविधियों के माध्यम से विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में जागरूकता आधारित गतिविधियां आयोजित करेगा। जल संसाधन विभाग एवं नर्मदा घाटी विकास विभाग द्वारा लघु सिंचाई योजनाओं के तालाबों की मरम्मत के साथ नहरों की सफ़ाई और स्टॉप डैम तथा बैराज की मरम्मत तथा नहर प्रणालियों के सुदृढ़ीकरण का कार्य किया जाएगा। उद्यानिकी विभाग सूक्ष्म सिंचाई क्षेत्र का विस्तार कार्य करेगा एवं विकासखंडों में पानी चौपाल का आयोजन कर लगभग 55 हज़ार हेक्टेयर में पौधरोपण का कार्य करेगा।

जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत राजस्व विभाग, पूर्व में बनाई गई ऐसी जल संरचनाएं जो राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज नहीं है, उन्हें राजस्व अभिलेख में दर्ज करने का कार्य करेगा। राजस्व विभाग द्वारा समस्त विभागों द्वारा पूर्व में बनाए गए तालाबों, चेकडेम और स्टॉपडेम एवं अन्य जल संरचनाओं के साथ ही जल संसाधन विभाग की नहरों को राजस्व अभिलेखों में दर्ज किया जाएगा।

इंदौर का कैंसर अस्पताल हो रहा सरकारी सुस्ती का शिकार, 2 साल में पूरे करने का दावा, लेकिन ढाई साल बाद भी 2 मंजिल तैयार नहीं

इंदौर। कैंसर मरीजों को आधुनिक इलाज उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शुरू किया गया नए कैंसर अस्पताल का निर्माण कार्य अब खुद सरकारी सुस्ती का शिकार होता नजर आ रहा है। अक्टूबर 2023 में दावा करते हुए प्रोजेक्ट को दो साल में पूरा कर पांच मंजिला अस्पताल तैयार करने का लक्ष्य रखा गया था, लेकिन ढाई साल बीत जाने के बाद भी स्थिति यह है कि भवन की दो मंजिल तक पूरी तरह तैयार नहीं हो सकी है।

अस्पताल निर्माण में देरी का असर उन हजारों मरीजों पर पड़ रहा है, जो बेहतर इलाज की उम्मीद लेकर यहां आते हैं। मध्य प्रदेश ही नहीं, आसपास के अन्य राज्यों से भी मरीज यहां इलाज के लिए आते हैं, लेकिन अधूरी सुविधाओं के कारण उन्हें निराशा हाथ लग रही है। पीआईयू द्वारा गुजरात की एक कंपनी को अस्पताल के निर्माण का जिम्मा दिया गया है, लेकिन वह ठीक से काम नहीं कर रही है। एमजीएम मेडिकल कॉलेज के जिम्मेदार अधिकारी भी अस्पताल के निर्माण कार्य को लेकर गंभीर नहीं हैं। यह कैबिन से बाहर निकलकर निरीक्षण करने भी नहीं जाते हैं। निर्माण कार्य में हो रही देरी के बाद भी अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई।

पुरानी बिल्डिंग और खराब मशीनों से इलाज- फिलहाल कैंसर अस्पताल पुरानी बिल्डिंग में ही संचालित हो रहा है, जहां सुविधाएं सीमित हैं। यहां लगी मशीनें भी बार-बार खराब हो जाती हैं, जिससे मरीजों का इलाज प्रभावित होता है। चिंताजनक है कि अभी भी मरीजों का उपचार कोबाल्ट मशीन से किया जा रहा है, जबकि कई अस्पतालों में उन्नत तकनीकों का उपयोग हो रहा है।

सबसे अधिक हेड एंड नेक कैंसर के मरीज- विशेषज्ञों के मुताबिक पुरुषों में सबसे अधिक हेड एंड नेक कैंसर के मामले सामने आ रहे हैं, जिसका मुख्य कारण धूमपान है। वहीं महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं।

45 करोड़ में हो रहा निर्माण- अस्पताल का निर्माण करीब 45 करोड़ रुपये की लागत से किया जा रहा है। 321 बेड की क्षमता वाले इस अस्पताल में अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जानी हैं, जिनमें लीनियर एक्सलरेटर के लिए बंकर, एचडीआर ब्रेकीथेरेपी मशीन और रेडियोथेरेपी के लिए समर्पित सीटी मशीन शामिल हैं। ये सभी सुविधाएं कैंसर मरीजों के लिए आवश्यक हैं। इसके बावजूद निर्माण कार्य की गति बेहद धीमी बनी हुई है।

जल गंगा संवर्धन अभियान में भिंड में जन सहभागिता से प्रारंभ हुआ कार्य

भोपाल। जल संरक्षण की दिशा में एक अनूठी मिसाल कायम करते हुए कलेक्टर भिण्ड के नेतृत्व में गौरी सरोवर पर विशाल श्रमदान कार्यक्रम निरंतर आयोजित किया जा रहा है। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों और आमजन ने मिलकर जलकुंभी हटाने का बीड़ा उठाया। यह प्रयास न केवल सरोवर को स्वच्छ बनाने में सफल रहा, बल्कि सामूहिक एकता का प्रतीक भी बन गया।

कार्यक्रम में कलेक्टर श्री किरोड़ीमल मीणा ने खुद बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। उन्होंने कहा, जब समाज एकजुट होता है, तो पर्यावरण संरक्षण जैसे बड़े लक्ष्य हासिल करना संभव हो जाता है। अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों ने सरोवर किनारे जमा जलकुंभी को हटाते हुए स्वच्छता का संदेश दिया। युवाओं की सक्रिय भागीदारी ने इसे विशेष बना दिया। सभी लोग श्रमदान में जुटे।

पीथमपुर उद्योग क्षेत्र में एलपीजी तथा पीएनजी समस्याओं पर महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न

इन्दौर। आज कार्यकारी संचालक एम.पी.आई.डी.सी. क्षेत्रीय कार्यालय इंदौर के श्री हिमांशु प्रजापति द्वारा निर्यात भवन एसईजेड फेज-2, पीथमपुर जिला-धार में पीथमपुर एवं आसपास के औद्योगिक क्षेत्रों के उद्योगपतियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में 70 से अधिक उद्योगपतियों के साथ ही विभिन्न उद्योगों में कैंटीन संचालन करने वाले सेवा प्रदाता भी शामिल हुये।

बैठक का मुख्य उद्देश्य पीथमपुर क्षेत्र में एलपीजी एवं पाइप्ड नेचुरल गैस से संबंधित चल रही समस्याओं पर चर्चा करना रहा। उद्योगपतियों द्वारा प्रमुख रूप से यह मुद्दा उठाया गया कि इन-हाउस कैंटीन संचालन हेतु एलपीजी की नियमित आपूर्ति नहीं हो पा रही है, जिससे संचालन प्रभावित हो रहा है। यही समस्या कैंटीन सेवा प्रदाताओं द्वारा भी व्यक्त की गई।

बैठक में यह भी अवगत कराया कि पीथमपुर में कार्यरत प्रवासी श्रमिक, जिनके नाम पर स्थानीय गैस कनेक्शन नहीं है, उन्हें एलपीजी सिलेंडर प्राप्त करने में कठिनाई हो रही है। उद्योगों ने इस समस्या के शीघ्र समाधान की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि अन्यथा श्रमिकों का पलायन हो सकता है। साथ ही यह सुझाव भी दिया गया कि श्रमिकों की सुविधा के लिए छोटे गैस सिलेंडरों की व्यवस्था की जाए, जिनका उपयोग श्रमिक वर्ग द्वारा प्रमुख रूप से किया जाता है।

पीएनजी से संबंधित विषय में उद्योगपतियों ने बताया कि पूर्व में औसत उपयोग के 80 प्रतिशत तक पीएनजी आपूर्ति रियायती दर पर उपलब्ध थी, जिसे वर्तमान में घटाकर 65 प्रतिशत कर दिया गया है। उद्योगपतियों ने अनुरोध किया कि रियायती दर पर उपलब्ध आपूर्ति की यह सीमा बढ़ाकर पुनः 80 प्रतिशत की जाए, ताकि औद्योगिक आवश्यकताओं की पूर्ति सुचारु रूप से हो सके। इस संबंध में उद्योगों से पीएनजी की मांग भी एकत्रित की गई है। बैठक में नवेरिया गैस एवं अवंतिका गैस के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे, जिनके साथ उपरोक्त विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। हिमांशु प्रजापति ने सभी पक्षों के सुझावों एवं समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए संबंधित एजेंसियों के साथ समन्वय कर शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि एमपीआईडीसी उद्योगों के सुचारु संचालन एवं श्रमिक हितों की रक्षा के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है।

इंदौर में मनी ईद, शहर काजी बोले-नशा बेचकर नस्लें तबाह करने वालों का सामाजिक बहिष्कार करें

इंदौर। इंदौर के सदर बाजार ईदगाह मैदान पर शनिवार को ईद-उल-फितर का पर्व मनाया गया। इस मौके पर मुस्लिम समाज के हजारों लोगों ने सामूहिक नमाज अदा की। शहर काजी डॉ. इशरत अली ने नमाज के बाद खुतबा पढ़ा और देश में अमन, चैन, शांति और आपसी भाईचारे के लिए दुआ मांगी। उन्होंने अपने संबोधन में समाज को एकता और प्रेम का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि परिवारों को नशे से दूर रहना चाहिए, क्योंकि इससे परिवार बिगड़ता है। नशा समाज की नस्लों को प्रभावित कर रहा है। जो लोग नशा बेचकर नस्लों को खत्म कर रहे हैं, उनका बहिष्कार होना चाहिए। पहले नशा बेचने वालों को गलत निगाह से देखा जाता था, लेकिन आजकल नशा आम हो चुका है। अब नशे अलग-अलग तरीके से किए जा रहे हैं। शराबी नशे में जेवर बेच देते हैं और चोरी करते हैं। नशे के कारण परिवारों में विवाद होते हैं, तलाक के हालात बनते हैं और इसका सीधा असर बच्चों पर पड़ता है। उन्होंने कहा कि स्मार्ट फोन से बच्चों को दूर रखें, उससे नकारात्मक विचार आते हैं। नशा हमारे लिए सबसे बड़ा दुश्मन है।

उन्होंने कहा कि भारत कौमी एकता वाला मुल्क है। इंदौर सफाई में हाल ही के वर्षों में नंबर वन है, लेकिन इंदौर में पचास साल से कौमी एकता कायम है। यहां एक हिंदू परिवार शहर काजी को सम्मान के साथ नमाज के लिए लाता है। उन्होंने कहा कि सियासत हमें सियासी चश्मा लगाने की कोशिश करती है, लेकिन उसे नहीं पहनना है। हमें भाईचारा कायम रखना है। शहर काजी ने कहा कि यहूदी सामानों का बहिष्कार करना चाहिए और जो सामान भारत देश में बनता है, उसका इस्तेमाल करें। इससे यहूदी देश की आर्थिक स्थिति प्रभावित होगी। कहने को वह छोटा देश है, लेकिन उसने पूरी दुनिया में आतंक फैला रखा है।

बग्घी पर सवार होकर ईदगाह पहुंचे शहर काजी- ईद के मौके पर उस परंपरा को भी निभाया गया, जो दशकों से इंदौर की गंगा-जमुनी तहजीब की पहचान बनी हुई है। परंपरा के अनुसार सलवाड़िया परिवार के लोग ढोल-धमाकों के साथ निकले। शहर काजी बग्घी पर सवार थे और जुलूस का रास्ते भर लोगों ने स्वागत किया। ईदगाह पर नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले लगकर ईद की मुबारकबाद दी।

नई गाइड लाइन के साथ इन क्षेत्रों को मिलेगी रजिस्ट्री की सौगात, घर का सपना होगा पूरा

इंदौर। नई गाइड लाइन (2026-2027) लागू होने के साथ ही यह शहर की कई कॉलोनियों के लिए खुशखबरी लेकर आएगी। नई गाइड लाइन के साथ ही यहां पर रजिस्ट्री की अनुमति भी मिल जाएगी। नई गाइड लाइन के पहले ही इंदौर की प्रॉपर्टी गाइड लाइन में 91 नई कॉलोनियां शामिल हो चुकी हैं। अब अप्रैल में 10 और नई कॉलोनियों को गाइड लाइन में शामिल किया जाएगा और फिर यहां पर भी रजिस्ट्री शुरू हो जाएगी। इसके बाद इन कॉलोनियों में प्लॉटधारक या प्रॉपर्टी लेने वाले रजिस्ट्री करवा सकेंगे। फरवरी में इंदौर पंजीयन विभाग ने 101 कॉलोनियों का प्रस्ताव दिया था, लेकिन मुख्यालय से 10 कॉलोनियों में अलग-अलग तरह की विसंगति होने से उन्हें रोक दिया गया था। अब इन्हें अप्रैल से लागू होने वाली नई गाइड लाइन में जोड़ लिया जाएगा। जिन 10 कॉलोनियों को छोड़ा है, उनमें लोकेशन की प्रस्तावित दरों में कुछ विसंगतियां थीं। इसलिए फिलहाल उन्हें छोड़ा गया है। मालूम हो, सितंबर में 101 कॉलोनियों का प्रस्ताव दिया था, जिसमें से 91 को गाइड लाइन में शामिल कर लिया गया है और दस बची हुई हैं। इन्हें शामिल करने से आम लोगों को तो फायदा होगा ही, शासन को भी राजस्व मिलेगा। इन बची हुई कॉलोनियों में अप्रैल में ही 100 से ज्यादा रजिस्ट्री होने के आसार हैं।

वरिष्ठ जिला पंजीयक एवं संयोजक जिला मूल्यांकन समिति मंजुलता पटेल ने कहा कि यदि सब सामान्य रहा तो नई 10 कॉलोनी को भी अप्रैल में मंजूरी मिल जाएगी। इनमें श्री कन्हैया विहार लिंबोदी, नंदमहल कॉलोनी खजराना, सिद्धि विनायक रेसीडेंसी खजराना, ट्यूलिप पार्क ब्राह्मणखेड़ी, शांति पैराडाइज लीला एस्टेट बारोली, शंकरा निकेतन बारोली, गुरुकृपा रेसीडेंसी गारीपिपल्या, शंकरा निकेतन एक्सटेंशन बारोली, तत्व ग्रीन मुकाता, वरदानिया एस्टेट मांगलिया सड़क शामिल हैं।

91 कॉलोनियों को फरवरी में ही रजिस्ट्री की अनुमति मिल चुकी है। इनमें सिंगापुर इंडस्ट्रियल पार्क, मंगला क्लासिक, रुद्राक्ष आनंद, धन सिटी, हीरा रेसीडेंसी एमवीएस आरंभ, बीसीएम पनास, एसएमजी हिल्स, क्लासिक मिडोस, नवरतन गोल्ड, पार्वती विहार, सार्थक स्क्वेयर, अक्ष नीम पाम, स्कॉय प्रीमियम सिटी, लीफ आइडियल, प्रणाम परिसर, बुल वेल एमिनेंस, मां गिन्नी विलास, श्रीनाथ गंगा सिटी, कृष्णा प्राइड, श्रीनाथ चंदन सिटी, श्री करणी कुंज, लीफ सिटी, ड्रीम कनक कॉरिडोर गोल्ड, शांति एलाइट, शांति सॉलिटेयर, पीएम एलाइट, विमल श्री हिल्स, दीप चित्रा पार्क, श्रीकृपा ग्रीन्स, प्रकृति विहार-बाल्याखेड़ी, श्री स्वस्तिक बिजनेस पार्क, स्काय मेगासिटी, शांति विहार एक्सटेंशन, पार्वती पार्क, वर्धमान आईरिश कॉरिडोर, अलक्ष्या कॉरिडोर बी, ल्यूमिनस कॉरिडोर-3 व अहाना रेसीडेंसी सहित अन्य कॉलोनियां शामिल हैं।

बेटियों को एचपीव्ही टीके लगवाकर सर्वाइकल कैंसर से दें सुरक्षा : उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

भोपाल। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने रविवार को रीवा प्रवास के दौरान जिले के सर्वांगीण विकास की दिशा में स्वास्थ्य, सांस्कृतिक गौरव और उच्च शिक्षा से जुड़ी महत्वपूर्ण परियोजनाओं का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि भौतिक विकास के साथ-साथ समाज का स्वास्थ्य और नैतिक मूल्यों का संरक्षण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

कैंसर मुक्त भविष्य का संकल्प- निःशुल्क जांच और एचपीव्ही टीकाकरण का आगाज- उप मुख्यमंत्री ने मनगवां में सामाजिक संस्था पासुमा द्वारा संचालित निःशुल्क कैंसर जांच केन्द्र का शुभारंभ किया। उन्होंने प्रदेश की 8 लाख किशोरियों को सर्वाइकल कैंसर से सुरक्षा प्रदान करने हेतु निःशुल्क एचपीव्ही टीके लगाने के महा-अभियान की चर्चा की। श्री शुक्ल ने कहा कि ÷बीमारी से बचाव ही उसका श्रेष्ठ उपचार है।÷ उन्होंने अनियमित दिनचर्या को त्याग कर प्राकृतिक खेती और कीटनाशक मुक्त अनाज अपनाने पर बल दिया, जिससे कैंसर, डायबिटीज और हृदय रोगों जैसी विभीषिकाओं पर नियंत्रण पाया जा सके।

शिक्षा एवं संस्कार- 35 करोड़ की लागत से बनेगा भव्य संस्कृत विश्वविद्यालय परिसर- विन्ध्य क्षेत्र को पुनः छोटी काशी के रूप में स्थापित करने के संकल्प के साथ उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने रामानुज संस्कृत विश्वविद्यालय की संगोष्ठी का शुभारंभ किया। उन्होंने घोषणा की कि लक्ष्मणबाग में 35 करोड़ रुपये की लागत से एक वर्ष के भीतर अत्याधुनिक विश्वविद्यालय परिसर का निर्माण किया जाएगा। इस परिसर में विद्यार्थियों के लिए निःशुल्क भोजन, आवास, छात्रावास और विशाल पुस्तकालय जैसी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। उन्होंने विश्वास जताया कि संस्कृत और सनातन ज्ञान परंपरा के माध्यम से ही भारत विश्व गुरु के पद पर प्रतिष्ठित होगा।

सांस्कृतिक चेतना का विस्तार- निषादराज जयंती और रिवर फ्रंट का गौरव- रीवा की बीहर नदी के तट पर आयोजित भगवान निषादराज जयंती समारोह में सम्मिलित होकर उप मुख्यमंत्री ने श्रद्धा-सुमन अर्पित किए। उन्होंने कहा कि रिवर फ्रंट विकास के अंतर्गत निषादराज घाट और मंदिर का निर्माण रीवा की सांस्कृतिक गरिमा को नई ऊँचाई प्रदान कर रहा है। भगवान राम और निषादराज के मैत्री संबंधों को रेखांकित करते हुए उन्होंने समाज में आपसी भाईचारे और निश्छल प्रेम को विकास की पहली शर्त बताया।

राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने लगभग 3 करोड़ के विकास कार्यों का किया भूमिपूजन

भोपाल। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने क्षेत्रीय विकास को नई गति देते हुए लगभग 3 करोड़ रुपये की लागत से विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया। इन कार्यों से न केवल आधारभूत सुविधाओं को मजबूती मिलेगी, बल्कि नागरिकों के जीवन स्तर में भी उल्लेखनीय सुधार आएगा। राज्यमंत्री श्रीमती कृष्णा गौर ने कहा कि क्षेत्र के समग्र विकास और नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिकता है। जनता की आवश्यकताओं के अनुरूप विकास कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूरा किया जा रहा है, ताकि क्षेत्र का हर नागरिक बेहतर जीवन जी सके। उन्होंने कहा कि ये कार्य न केवल सुविधाएं बढ़ाएंगे, बल्कि क्षेत्र की समग्र प्रगति में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने बताया कि वार्ड क्रमांक 52 के नारायण नगर में लगभग 2 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले सीवेज नेटवर्क कार्य का भूमिपूजन किया गया। यह परियोजना क्षेत्र में स्वच्छता, सुव्यवस्थित जल निकासी और बेहतर सुविधाओं को सुनिश्चित करते हुए जनजीवन को अधिक सुगम एवं स्वस्थ बनाएगी। वार्ड क्रमांक 54 स्थित फॉर्चून डिलाइट सोसायटी में मंदिर निर्माण कार्य का भूमिपूजन विधि-विधानपूर्वक किया गया। यह पहल क्षेत्रवासियों की आस्था का केंद्र बनने के साथ सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों को नई ऊर्जा प्रदान करेगी। वार्ड क्रमांक 52 के खनूजा इनक्लेव में डामर सड़क निर्माण कार्य एवं ओपन जिम का लोकार्पण किया गया। इन विकास कार्यों से क्षेत्र की आधारभूत संरचना सुदृढ़ होने के साथ नागरिकों के स्वास्थ्य और सुविधा को भी बढ़ावा मिलेगा।

ब्लडप्रेशर, डायबिटीज ही नहीं दिल की सेहत को भी दुरुस्त रखती है इंटरमिनेंट फास्टिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्वास्थ्य और फिटनेस की दुनिया में लोगों के बीच इंटरमिनेंट फास्टिंग को काफी ज्यादा पसंद किया जाता है। लोग इसका उपयोग वजन कम करने, अपने स्वास्थ्य में सुधार लाने के लिए करते हैं। यह एक खाने का पैटर्न है जिसमें आप खाने और उपवास की अवधि के बीच का अंतर तय करते हैं। इसके कई तरीके हैं, जिनमें से सभी दिन या सप्ताह में भोजन व उपवास की अवधि में विभाजित करते हैं।

भोजन के बीच ज्यादा अंतराल यानी इंटरमिनेंट फास्टिंग शरीर और मस्तिष्क के 22 जीन को प्रभावित करती है। यह उच्च रक्तचाप, मधुमेह, हृदय रोग के इलाज में कारगर है। अमेरिकी वैज्ञानिकों के एक अध्ययन में इसकी पुष्टि की गई है। इस अध्ययन को सेल मेटाबॉलिज्म जर्नल में प्रकाशित किया गया है।

भोजन के बीच ज्यादा अंतराल आज कल चर्चा का विषय बना हुआ है। इसको लेकर कई अध्ययन किए जा चुके हैं। लेकिन, यह शरीर के किन कारकों को और कैसे प्रभावित करता है। इसे अच्छी तरह से नहीं समझा जा सका था। इसे देखते हुए अमेरिकी वैज्ञानिकों ने चूहों पर अध्ययन किया। उन्होंने पाया कि इस प्रक्रिया के माध्यम से जीन सक्रिय होते हैं और प्रोटीन बनाते हैं। जो रोगों के खिलाफ प्रतिक्रिया करते हैं।

दो समूहों में किए गए अध्ययन के लिए चूहों के दो समूहों को समान उच्च कैलोरी वाला आहार दिया गया। एक समूह को हर समय भोजन खाने की सुविधा दी गई। वहीं, दूसरे समूह को प्रत्येक दिन नौ घंटे की फीडिंग विंडो के भीतर खाने तक सीमित रखा गया था। सात हफ्तों के बाद 22 अंगों और मस्तिष्क से ऊतक के नमूने एकत्र किए गए। इसमें आनुवंशिक परिवर्तनों के लिए विश्लेषण किया गया। नमूनों में यकृत, पेट, फेफड़े, हृदय, अधिवृक्क ग्रंथि, हाइपोथैलेमस, गुर्दे और आंत के विभिन्न भागों और मस्तिष्क के विभिन्न क्षेत्रों के ऊतक शामिल थे। इसमें समय-प्रतिबंधित खाना खाने वाले 70 फीसदी चूहों के जीन में बदलाव देखा गया।

हार्मोनल असंतुलन मधुमेह का प्रमुख कारण- अग्नाशय में लगभग 40 प्रतिशत जीन समय-प्रतिबंधित भोजन से प्रभावित थे। ये अंग हार्मोनल विनियमन के लिए महत्वपूर्ण हैं। हार्मोन शरीर और मस्तिष्क के विभिन्न भागों में समन्वय का काम करते हैं, और हार्मोनल असंतुलन मधुमेह से लेकर तनाव संबंधी विकारों तक के लिए जिम्मेदार है। वहीं, इससे पाचन तंत्र के सभी हिस्से समान रूप से प्रभावित नहीं हुए थे। जबकि छोटी आंत के ऊपरी दो हिस्सों में शामिल जीन डुओडेनम और जेजुनम भोजन के बीच ज्यादा अंतराल से सक्रिय होते हैं।

रीटा और रिचर्ड एटकिन्सन चेयर के वरिष्ठ लेखक प्रोफेसर सच्चिदानंद पांडा कहते हैं कि हमने पाया कि चूहों में समय-प्रतिबंधित खाने का आणविक प्रभाव हुआ है। इससे मिले नतीजे कैंसर जैसी बीमारियों में शामिल जीन कैसे सक्रिय होते हैं, इस पर अधिक बारीकी से शोध करने का दरवाजा खोलते हैं। भोजन के समय को बदलकर, हम न केवल आंत या यकृत में, बल्कि मस्तिष्क में हजारों जीन में भी जीन को बदलने में सक्षम थे।

IPL 2026 के बीच लंदन जाएंगे विराट कोहली! RCB से चार्टर्ड फ्लाइट की मांग की?

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 से पहले विराट कोहली लंदन से भारत आ गए थे। वह 19वें सीजन के लिए लगातार अभ्यास कर रहे हैं। 28 मार्च से आईपीएल 2026 का आगाज होगा। पहले मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का सामना सनराइजर्स हैदराबाद से होगा।

गत विजेता आरसीबी की नजर इस सीजन खिताब का बचाव करने पर है। इस बीच विराट कोहली से जुड़ी एक खबर सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। हालांकि, किंग कोहली ने साफ कर दिया है कि इस खबर में जरा भी सच्चाई नहीं है। सोशल मीडिया पर एक तस्वीर वायरल हो रही है, जिसमें कोहली की तस्वीर के साथ लिखा है, रिपोर्ट के अनुसार विराट कोहली आईपीएल 2026 के ब्रेक के दौरान भारत और लंदन के बीच पर्सनल ट्रेवल के लिए आरसीबी से चार्टर्ड फ्लाइट की मांग कर रहे हैं। अगर मैच के बीच 3 दिन से ज्यादा का गैप है तो विराट लंदन रवाना हो जाएंगे और अगले मैच से पहले वापस आएंगे।

कोहली ने इन खबरों को खारिज करते हुए इन्हें फर्जी बताया है। कोहली ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर इस वायरल तस्वीर को शेयर करते हुए हा-हा रिएक्ट किया है। इससे साफ है कि यह खबर सिर्फ एक मजाक है। कोहली पूरे सीजन भारत में ही रहने वाले हैं।

जमकर पसीना बहा रहे विराट- विराट कोहली इन दिनो आईपीएल 2026 की तैयारियों में जुटे हुए हैं। आरसीबी ने एक्स पर टीम के अभ्यास की कई वीडियो शेयर की हैं। इनमें विराट जमकर पसीना बहाते नजर आ रहे हैं।

कोहली आईपीएल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। आरसीबी के पूर्व कप्तान ने अब तक खेले 267 मैचों में 8 शतक और 63 फिफ्टी की मदद से 8,661 रन बनाए हैं। विराट के पास आईपीएल इतिहास में 9,000 रन का आंकड़ा पार करने वाले पहले खिलाड़ी बनने का मौका है। इस सीजन विराट कोहली इस कीर्तिमान को हासिल कर सकते हैं।

पोषक तत्वों का खजाना है हरी मिर्च, फायदे जानकर हो जाएंगे हैरान

नई दिल्ली (एजेंसी)। खाने में स्वाद का तड़का लगाने के लिए आप हरी मिर्च का इस्तेमाल करते हैं। ये खाने को चटपटा और स्वादिष्ट बनाने में काफी मदद करती हैं। भोजन को लजीज बनाने में हरी मिर्च की अहम भूमिका है। लेकिन क्या आप जानते हैं, यह खाने का स्वाद बढ़ाने के साथ सेहत के लिए भी काफी फायदेमंद है। जी हां, हरी मिर्च में कई जरूरी पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो शरीर के लिए काफी जरूरी हैं। इसमें आयरन, कॉपर, प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, पोटैशियम पर्याप्त मात्रा में पाए जाते हैं। इसके सेवन से आप कई स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से बच सकते हैं। तो, चलिए जानते हैं, हरी मिर्च खाने के क्या फायदे हैं।

दिल की सेहत के लिए फायदेमंद- हरी मिर्च दिल की सेहत के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है। अगर आप नियमित रूप से इसका सेवन करते हैं, तो यह शरीर में खून को जमने से रोकता है। जिससे आप दिल की बीमारियों से बच सकते हैं।

हाई ब्लड प्रेशर की समस्या- एक्सपर्ट के अनुसार, जिन लोगों को हाई ब्लड प्रेशर की समस्या है, वे डाइट में सीमित मात्रा में हरी मिर्च शामिल कर सकते हैं। इसमें हाई ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने के गुण पाए जाते हैं।

आंखों के लिए फायदेमंद- हरी मिर्च में विटामिन-सी, बीटा कैरोटीन और अन्य पोषक तत्व पर्याप्त मात्रा में पाए जाते हैं। जो आंखों को स्वस्थ रखने में सहायक है।

इम्यूनिटी बढ़ाएं- हरी मिर्च में मौजूद विटामिन-सी इम्यूनिटी बढ़ाने में मदद करता है। जिससे आप सर्दी-खांसी, जुकाम और कई बीमारियों से बच सकते हैं।

हाई ब्लड प्रेशर के मरीज भूलकर भी न करें ये योगासन, फायदे की जगह होगा नुकसान

नई दिल्ली (एजेंसी)। योग के पास आपकी कई शारीरिक और मानसिक समस्याओं का समाधान छिपा हुआ है। रोजाना योग अभ्यास करने से व्यक्ति को कई दिक्कतों से छुटकारा मिल जाता है। ऐसी ही एक समस्या है हाई बीपी की। हाई ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने वाले कई योगासन के बारे में आपने सुना होगा। लेकिन आज हाई ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने वाले योगासनों के बारे में नहीं बल्कि हाई बीपी से पीड़ित लोगों के लिए मना आसनों की बात करने वाले हैं। जी हां, योग में कुछ अभ्यास ऐसे भी होते हैं जिन्हें विशेषज्ञ हाई ब्लड प्रेशर के रोगियों की न करने की सलाह देते हैं। इन योगासनों को करने से व्यक्ति का रक्तचाप बढ़ने का खतरा बना रहता है। आइए जानते हैं इनके बारे में।

शीर्षासन- सिर में रक्त के संचार को बढ़ावा देने के साथ शारीरिक संतुलन को बेहतर बनाने में शीर्षासन योग का बहुत बड़ा महत्व बताया गया है। लेकिन जिन लोगों को उच्च रक्तचाप की समस्या रहती है, उन्हें शीर्षासन योग न करने की सलाह दी जाती है। असल में इस अभ्यास के दौरान सिर में अचानक रक्त का प्रवाह बढ़ जाता है जिसके कारण हाइपरटेंशन की समस्या बढ़ने का खतरा पैदा हो सकता है।

अधोमुख शवासन- अधोमुख शवासन को शरीर के ऊपरी हिस्से विशेषकर सिर में रक्त के प्रवाह को तेजी से बढ़ाने के लिए जाना जाता है। लेकिन इस आसन को भी हाइपरटेंशन के रोगियों को नहीं करना चाहिए। इस तरह के योगासन ब्लड प्रेशर को बढ़ा देते हैं।

उत्तानासन योग- हाइपरटेंशन से पीड़ित लोगों को उत्तानासन योग के अभ्यास से बचना चाहिए। योग विशेषज्ञों की मानें तो इस तरह के योगासनों को करने के दौरान पैरों और धड़ को ऊंचाई पर करना होता है, इसके अलावा सिर, हृदय के नीचे आ जाता है, यह स्थिति उच्च रक्तचाप के जोखिमों को बढ़ाने वाली हो सकती है।

तुम मर क्यों नहीं जाते, वरुण चक्रवर्ती को बीमारी के बाद मिले थे ताने, विश्व विजेता खिलाड़ी ने बयां किया सालों पुराना दर्द

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी20 वर्ल्ड कप-2026 में अपनी फिरकी का कमाल दिखाने वाले भारतीय स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने एक हैरान करने वाला किस्सा शेयर किया है। ये मामला तब का है जब कोविड अपने चरम पर था और ये मिस्ट्री स्पिनर कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए खेल रहा था। वरुण कोविड की चपेट में आ गए थे और इसके बाद उन्हें ताने सुनने को मिले थे.

बात आईपीएल-2021 की है। वरुण इस आईपीएल के दौरान कोविड पॉजिटिव पाए गए थे। उनके अलावा संदीप वॉरियर भी कोविड पॉजिटिव पाए गए थे। इस दौरान उन्हें ऐसा कुछ सुनने को मिला था जिससे वो हैरान रह गए थे। आईपीएल-2021 बायो बबल में खेला गया था। पहले इसका आयोजन भारत में ही हुआ था, लेकिन फिर खिलाड़ियों में कोविड के मामले सामने आने के बाद इसे रोक दिया गया था और बाद में यूएई में बाकी बचा सीजन खेला गया था।

मर क्यों नहीं जाते- वरुण ने इस मामले को याद करते हुए यूट्यूब चैनल जर्नी टू जर्सी पर बात करते हुए कहा, ÷सबसे बुरा तब हुआ था जब 2021 में आईपीएल रुक गया था। इसे बीच में ही रोक दिया गया था क्योंकि मुझे कोविड हो गया था। मैं पहला इंसान था लीग में जिसे कोविड हुआ था। उस समय लोग मुझे गालियां दे रहे थे। उस समय आईपीएल ही ऐसी चीज था जिससे लोग टाइम पास कर रहे थे। इसके रुक जाने से लोग काफी नाराज थे। लोग मुझसे कह रहे थे कि तुम मर क्यों नहीं जाते।÷

कोलकाता का अहम हिस्सा- वरुण कोलकाता की टीम का अहम हिस्सा हैं। उन्होंने अपने आईपीएल करियर की शुरुआत तो किंग्स इलेवन पंजाब (अब पंजाब किंग्स) से की थी, लेकिन बाद में कोलकाता आ गए और तब से इसी टीम का हिस्सा हैं। अभी तक खेले 84 आईपीएल मैचों में वरुण ने कुल 100 विकेट लिए हैं। हाल ही में खत्म हुए टी20 वर्ल्ड कप में वह जसप्रीत बुमराह के साथ संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज थे। दोनों के नाम 100 विकेट हैं।

स्वाद में जबरदस्त लगती हैं सूजी से बनी खांडवी, हरी चटनी के साथ करें सर्व

नई दिल्ली (एजेंसी)। रोजाना के नाश्ते में कुछ अलग खाने का मन करे तो आप खांडवी बना सकते हैं। वैसे तो खांडवी बेसन से तैयार की जाती हैं। लेकिन यहां हम सूजी से बनने वाली खांडवी की रेसिपी बता रहे हैं। ये स्वाद में लाजवाब लगती हैं। साथ ही ये बिना तेल के तैयार हो जाती हैं, इसलिए अगर आप वेट लॉस जर्नी पर हैं तो भी सूजी से बनी खांडवी खा सकते हैं। देखिए इसकी रेसिपी-

सूजी खांडवी बनाने के लिए आपको चाहिए...

सूजी
दही
पानी
अदरक
हरी मिर्च
तेल
सरसों के बीज
साबुत लाल मिर्च
करी पत्ता

कैसे बनाएं

- इसे बनाने के लिए एक ब्लेंडर में सूजी लें और इसमें दही, पानी, अदर और हरी मिर्च डालकर ब्लेंड करें।
- ब्लेंड किए हुए मिश्रण को छन्नी की मदद से छान लें।
इसे कुछ देर के लिए ढक कर रख दें।
-अब इस घोल में जीरा, हरा धनिया, चिली फ्लेक्स और नमक मिलाएं।
- एक प्लेट पर तेल डालकर उसे अच्छे से ग्रीस करें। और एक बर्तन में पानी गर्म करने के लिए रख दें।
- प्लेट में घोल डालें और इसे गर्म पानी के बर्तन पर रखें।और ढक दें।
- जब तक ये बन रह है तब तक तड़ता तैयार करें। इसके लिए एक पैन में तेल डालें। फिर राई, कड़ी पत्ता और लाल मिर्च डालें। और अच्छे से सेक लें।
- अब खांडवी बन गई होगी, प्लेट को हटाएं और इसे कट करे के रोल करें।
- रोल की हुई खांडवी को तड़का में डालें। अच्छे से मिक्स करें और सर्व करें।

न्यूजीलैंड ने जमाया सीरीज पर कब्जा, चौथे टी20 में साउथ अफ्रीका को दी शिकस्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। सोफी डिवाइन के तूफानी के साथ ही जेस केर के करियर की बेस्ट टी20। गेंदबाजी की बदौलत न्यूजीलैंड महिला टीम ने रविवार को खेले गए चौथे टी20 मुकाबले में साउथ अफ्रीका विमंस टीम को 6 विकेट से करारी शिकस्त दी। इस जीत के साथ ही न्यूजीलैंड ने 5 मैचों की सीरीज 3-1 से अपने नाम कर ली। आखिरी मुकाबला 25 मार्च को खेला जाएगा।

एनेरी ने बनाए 55 रन- साउथ अफ्रीका की कप्तान लौरा वोल्वाड्ट ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी चुनी। एनेरी डेर्कसेन के नाबाद अर्धशतक की बदौलत टीम ने 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 159 रन बनाए। एनेरी ने 32 गेंदों पर 55 रन जड़े। इस दौरान उन्होंने 8 चौके और 1 हवाई फायर भी किया। ओपनर सुने लुस ने 29 गेंदों पर 30 रन की धीमी पारी खेली। नादिन डी क्लर्क ने 20 रन का योगदान दिया।

जेस केर की किफायती गेंदबाजी- न्यूजीलैंड की ओर से जेस केर ने करियर की बेस्ट टी20 इंटरनेशनल गेंदबाजी की। इस दौरान वह काफी किफायती भी रहीं। जेस ने 4 ओवर में 4 की ही इकोनॉमी से 16 रन देकर 3 अहम विकेट चटकाए। उन्होंने क्लोई ट्रायोन (14) को LBW आउट किया। साथ ही कप्तान लौरा (10) और ताजमिन ब्रिट्स (8) को बड़ा स्कोर बनाने से रोक दिया। उम्दा प्रदर्शन के लिए जेस को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

सोफी की शानदार पारी- 160 रन के टारगेट को न्यूजीलैंड टीम ने 9 गेंद पहले ही चेज कर लिया।

साउथ अफ्रीका ने करो या मरो मैच में न्यूजीलैंड को रौंदा, टी20 सीरीज में की बराबरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के खिलाफ 5 मैचों की टी20 सीरीज में लगातार दो हार के बाद साउथ अफ्रीका ने बाउंस बैक किया है। वेलिंग्टन में खेले गए चौथे मुकाबले में प्रोटियाज ने 19 रनों से जीत हासिल की और खुद को सीरीज में जिंदा बचाए रखा। सीरीज के पहले मुकाबले में साउथ अफ्रीका ने एकतरफा 7 विकेट से जीत दर्ज की। इसके बाद दूसरे और तीसरे मुकाबले में उन्हें हार का सामना करना पड़ा।

चौथे मुकाबले में साउथ अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 5 विकेट के नुकसान पर 164 रन बनाए थे। बल्लेबाजी के बाद अफ्रीका के गेंदबाजों ने कमाल दिखाया और उन्होंने कीवी टीम को 145 रनों पर समेट दिया। 19 रनों की साउथ अफ्रीका की जीत के साथ अब आखिरी दोनों टीमों के लिए करो या मरो जैसा होगा। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ साउथ अफ्रीका की हार के बाद ये पहली टी20 सीरीज है, जो अब 2-2 की बराबरी पर खड़ी है।

न्यूजीलैंड की 145 रनों पर सिमटी पारी- साउथ अफ्रीका के 165 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की टीम 18.5 ओवरों में 145 रनों पर सिमट गई। कीवी टीम के लिए सलामी बल्लेबाज टिम रॉबिन्सन ने सबसे अधिक 22 गेंदों पर 32 रनों की पारी खेली। उनके अलावा डेन क्लीवर ने 26 रन बनाए। इन दोनों के खिलाड़ियों को छोड़ दें, तो बाकी बल्लेबाज 20 रनों के आंकड़े को नहीं छू सके और पूरी टीम 145 रनों पर सिमट गई।

केशव महाराज की अगुवाई वाली टीम के लिए जेराल्ड कोएट्जी ने 3.5 ओवरों में 31 रन खर्च करते हुए 3 विकेट अपने नाम किए। कोएट्जी के अलावा ओटनील बार्टमैन, प्रेनेलन सुब्रायेन और कप्तान केशव महाराज ने 2-2 विकेट अपने नाम किए। तो वहीं वियान मुल्डर को एक सफलता मिली और इसी के साथ गेंदबाजों ने साउथ अफ्रीका की जीत सुनिश्चित की।

साउथ अफ्रीका ने मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया था। इसके बाद महाराज एंड कंपनी ने 20 ओवरों में 5 विकेट के नुकसान पर 164 रन बनाए। विकेटकीपर बल्लेबाज कॉनर एस्टरहुइजेन ने अर्धशतक लगाते हुए 36 गेंदों पर 57 रनों की पारी खेली।

आईपीएल के लिए दसुन शनाका ने PSL को कहा बाय, मोहसिन नकवी ने बौखलाकर दी गीदड़भभकी

नई दिल्ली (एजेंसी)। श्रीलंका के टी20 कप्तान दसुन शनाका ने पाकिस्तान सुपर लीग छोड़कर आईपीएल में खेलने का फैसला किया है। शनाका से पहले जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी और वेस्टइंडीज के गुडाकेश मोती ने भी पीएसएल को छोड़कर आईपीएल चुना था। मुजरबानी कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम में शामिल हुए हैं, जबकि शनाका राजस्थान रॉयल्स में जुड़ सकते हैं।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की अब ये रणनीति उल्टी पड़ रही है, जिसमें उन्होंने आईपीएल के साथ पीएसएल कराने का फैसला किया था। पीसीबी का अनुमान था कि आईपीएल के साथ पीएसएल कराने पर विदेशी खिलाड़ी उपलब्ध रहेंगे लेकिन प्लेयर्स जैसे ही मौका मिल रहा है, वे आईपीएल का रुख कर रहे हैं। 2025 में कॉर्बिन बॉश भी मुंबई के साथ जुड़ गए थे, जिसके बाद उनके ऊपर बैन लगा दिया गया था। अब शनाका ने भी पीएसएल में खेलने से इनकार कर दिया है।

शनाका पीएसएल में लाहौर कलंदर्स की टीम का हिस्सा थे लेकिन अब आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स के लिए खेल सकते हैं। क्रिकबज एक रिपोर्ट में बताया गया है कि शनाका से राजस्थान से संपर्क किया है और वे आईपीएल में खेलने के लिए तैयार हैं। श्रीलंका क्रिकेट से इसकी जल्द ही कागजी कार्रवाई पूरी हो सकती है और इसके बाद वे आधिकारिक तौर पर राजस्थान में शामिल हो सकते हैं। शनाका को सैम करन के रिप्लेसमेंट में शामिल किया जा रहा है, जो आईपीएल 2026 से चोट की वजह से बाहर हो चुके हैं।

गौरतलब है कि आईपीएल 2026 के ऑक्शन में शनाका को कई खरीददार नहीं मिला था। इसके बाद श्रीलंकाई ऑलराउंडर को पीएसएल में लाहौर कलंदर्स ने 75 लाख पाकिस्तानी रुपये में खरीदा था। शनाका इस सीजन तीसरे ऐसे खिलाड़ी हैं, जिन्होंने पीएसएल को छोड़कर आईपीएल में खेलने का फैसला किया है।

नौकरी छोड़िए, खुद का बॉस बनिए; कम खर्च में शुरू करें आलू चिप्स का बिजनेस

नई दिल्ली (एजेंसी)। आज के समय में स्नैक्स इंडस्ट्री तेजी से बढ़ रही है। ऐसे में आलू चिप्स का बिजनेस एक लाभदायक ऑप्शन हो सकता है। यह ऐसा प्रोडक्ट है जिसकी मांग हर उम्र के लोगों में रहती है। अगर सही योजना, क्वालिटी और मार्केटिंग के साथ शुरुआत की जाए, तो कम निवेश में भी अच्छा मुनाफा कमाया जा सकता है। आइए हम आपको बताते हैं कि आप कैसे और कितने निवेश के साथ ये रकम शुरू कर सकते हैं।

कितना करना होगा निवेश- आलू चिप्स का बिजनेस शुरू करने के लिए सबसे पहले आपको एक छोटी यूनिट या किचन स्पेस की जरूरत होती है। शुरुआत में आप घर से भी काम शुरू कर सकते हैं। मुख्य कच्चा माल आलू, तेल, नमक और मसाले होते हैं। इसके अलावा चिप्स काटने की मशीन, फ्रायर और पैकेजिंग मशीन की जरूरत पड़ती है। छोटे स्तर पर यह सेटअप आप अनुमानित 50,000 से 1,50,000 के निवेश में शुरू कर सकते हैं।

क्वालिटी पर रहे फोकस- खाने-पीने की चीजों के बिजनेस में गुणवत्ता बहुत महत्वपूर्ण होती है। अच्छे आलू का चयन, साफ-सफाई और सही तरीके से तलना जरूरी है ताकि चिप्स कुरकुरे और स्वादिष्ट बनें। साथ ही अलग-अलग फ्लेवर जैसे नमकीन, मसाला, क्रीम एंड ऑनियन आदि जोड़कर आप अपने प्रोडक्ट को और आकर्षक बना सकते हैं। पैकेजिंग भी अच्छी होनी चाहिए ताकि ग्राहक का भरोसा बने।

मार्केटिंग बहुत जरूरी- मार्केटिंग के लिए आप लोकल दुकानों, किराना स्टोर्स और स्कूल-कॉलेज के आसपास अपने चिप्स बेच सकते हैं। इसके अलावा सोशल मीडिया और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का उपयोग करके भी अपने ब्रांड को प्रमोट कर सकते हैं। अगर आपका प्रोडक्ट अच्छा है, तो धीरे-धीरे ग्राहक खुद बढ़ने लगते हैं और आपका बिजनेस तेजी से आगे बढ़ सकता है।

कितनी हो सकती है कमाई- कमाई की बात करें तो शुरुआत में आप महीने के 20,000 से 40,000 तक आसानी से कमा सकते हैं। जैसे-जैसे आपका बिजनेस बढ़ता है और ऑर्डर बढ़ते हैं, यह कमाई 1 लाख या उससे अधिक भी हो सकती है। सही रणनीति, मेहनत और निरंतर सुधार से आलू चिप्स का बिजनेस एक स्थायी और लाभदायक व्यवसाय बन सकता है।

दावा 2000 KM का और प्रहार 4,000 किमी तक, क्या ईरान ने दुनिया से छिपाई अपनी मिसाइल की असली ताकत?

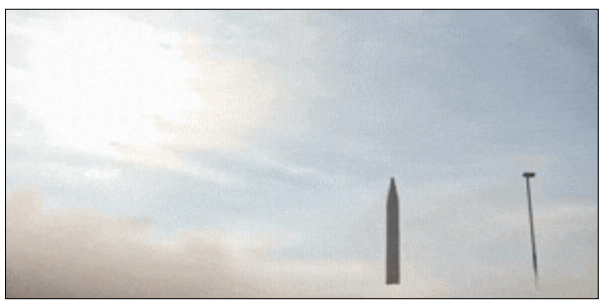

नई दिल्ली (एजेंसी)। खाड़ी देशों के बाद हिंद महासागर के बीचों-बीच स्थित अभेद्य अमेरिकी-ब्रिटिश सैन्य अड्डे, डिएगो गार्सिया पर ईरान द्वारा मिसाइल से किए हमले ने सबको हैरान कर दिया है। क्योंकि, वह डिएगो गार्सिया ईरान से लगभग 4,000 किलोमीटर दूर स्थित है।

जबकि ईरान सार्वजनिक रूप से यह दावा करता रहा है कि उसकी बैलिस्टिक मिसाइलों की मारक क्षमता 2,000 किलोमीटर तक सीमित है। 4,000 किलोमीटर दूर किए इस हमले की कोशिश ने ईरान की अघोषित सैन्य क्षमताओं पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं।

दक्षिणी यूरोप को भी बना सकता निशान- अगर ईरान वास्तव में इस सार्वजनिक रूप से घोषित सीमा से दोगुनी दूरी पर हमला करने का प्रयास करता है, तो इसका मतलब है कि ईरान के पास ऐसी अघोषित क्षमताएं हैं जिनके बारे में दुनिया को पता नहीं है। अगर ईरान के पास ऐसी लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलें होंगी तो वह हिंद महासागर और दक्षिणी यूरोप को भी निशाना बना सकता है।

यही नहीं ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल रेंज में किसी भी संभावित विस्तार से खाड़ी देशों और इजरायल पर मिसाइल रक्षा प्रणालियों का पुनर्मूल्यांकन करने का दबाव बढ़ेगा।

दुश्मन की कल्पना से अधिक मिसाइलों की मारक क्षमता - ईरान की अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी मेहर के अनुसार, हिंद महासागर में स्थिति अमेरिकी और ब्रिटिश सैन्य अड्डे को निशाना बनाना एक महत्वपूर्ण कदम है... जो दर्शाता है कि ईरान की मिसाइलों की मारक क्षमता दुश्मन की पूर्व कल्पना से कहीं अधिक है। गौरतलब है कि हिंद महासागर में स्थित डिएगो गार्सिया कोई मामूली संपत्ति नहीं है, बल्कि अमेरिकी वैश्विक शक्ति प्रदर्शन के लिए एक उच्च-मूल्य वाला केंद्र है।

यह अमेरिका के भारी बमवर्षक विमानों और निगरानी विमानों का अड्डा है।

क्यूबा ने ट्रंप को दिखाया आईना, राष्ट्रपति पद पर सौदेबाजी से किया साफ इनकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। क्यूबा और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव के बीच क्यूबा ने स्पष्ट कर दिया है कि उसका राजनीतिक ढांचा और राष्ट्रपति का पद किसी भी बातचीत का हिस्सा नहीं हो सकता।

अमेरिकी पक्ष से यह संकेत मिल रहे थे कि वह क्यूबा के राष्ट्रपति मिगुएल डिएज कैनेल को पद से हटाने की शर्त पर समझौता चाहता है।लेकिन क्यूबा के उप विदेश मंत्री कार्लोस फर्नांडीज डी कोसियो ने साफ शब्दों में कहा कि क्यूबा की राजनीतिक व्यवस्था और राष्ट्रपति का पद किसी भी हालत में बातचीत का विषय नहीं है।

दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए तेल प्रतिबंध के कारण क्यूबा गंभीर आर्थिक संकट से जूझ रहा है। इसी बीच दोनों देशों के बीच बातचीत शुरू हुई, लेकिन अमेरिका की शर्तों ने तनाव को और बढ़ा दिया।

देश बाहरी दबाव के सामने नहीं झुकेगा- राष्ट्रपति मिगुएल डिएज कैनेल ने भी कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि क्यूबा किसी भी संभावित अमेरिकी आक्रामकता के लिए तैयार है और देश बाहरी दबाव के सामने झुकेगा नहीं। उन्होंने चेतावनी दी कि कोई भी बाहरी हमला कड़े प्रतिरोध का सामना करेगा।

अमेरिका एम्बेसी को डीजल देने से इनकार- इसी बीच एक और विवाद ने दोनों देशों के रिश्तों में नई दरार डाल दी है। क्यूबा ने हवाना स्थित अमेरिकी दूतावास को उसके जनरेटर के लिए डीजल आयात करने की अनुमति देने से इनकार कर दिया है। यह फैसला ऐसे समय आया है जब क्यूबा पहले से ही ईंधन संकट का सामना कर रहा है। अमेरिका के प्रतिबंधों और वेनेजुएला से तेल आपूर्ति रुकने के कारण हालात और खराब हो गए हैं।

इस कदम के बाद अमेरिका अपने दूतावास में कर्मचारियों की संख्या घटाने पर विचार कर रहा है। अगर ऐसा होता है, तो जवाब में वाशिंगटन में क्यूबा के दूतावास पर भी असर पड़ सकता है। तनाव के बीच अमेरिका की नजर क्यूबा में अपने प्रभाव को बढ़ाने पर है, जबकि क्यूबा अपनी संप्रभुता और राजनीतिक व्यवस्था से किसी भी तरह का समझौता करने को तैयार नहीं दिख रहा।

शुरू होने जा रहा है जेवर एयरपोर्ट, इन इलाकों में और बढ़ेंगे प्रॉपर्टी के दाम, कहां है डिमांड?

नई दिल्ली (एजेंसी)। 25 साल के लंबे इंतजार के बाद नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के शुरू होने का ख्वाब पूरा होने जा रहा है। 28 मार्च को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसका लोकार्पण करेंगे, और इसके बाद जेवर एयरपोर्ट से देश के प्रमुख शहरों के लिए हवाई यात्राएं शुरू हो जाएंगी। इस एयरपोर्ट के ऑपरेशनल होने के साथ ही दिल्ली अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर ट्रैफिक को बोझ कम होने की उम्मीद है, साथ ही नोएडा में इन्फ्रा और प्रॉपर्टी को बड़ा बूस्ट मिलेगा।

दरअसल, जेवर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के शुरू होने से आसपास के इलाकों, विशेष रूप से नोएडा एक्सप्रेसवे पर स्थित इलाकों में लंबी अवधि के लिहाज से रियल एस्टेट डेवलपमेंट में गति आएगी।

किन प्रॉपर्टीज में ज्यादा तेजी की उम्मीद- कोलियर्स इंडिया के नेशनल डायरेक्टर एंड रिसर्च हेड, विमल नाडार ने कहा, विभिन्न चरणों में चल रहे कई अन्य इन्फ्रा प्रोजेक्ट्स के कारण गुरुग्राम और दिल्ली से समग्र कनेक्टिविटी को और बढ़ावा मिलने की संभावना है। नोएडा के कुछ चुनिंदा प्रॉपर्टी मार्केट जैसे- यमुना एक्सप्रेसवे, ग्रेटर नोएडा और नोएडा एक्सप्रेसवे के किनारे स्थित इलाकों के रेसिडेंशियल प्रॉपर्टी में विशेष रूप से मध्यम आय वर्ग और लक्जरी क्लासग में तेजी आने की उम्मीद है।

उन्होंने कहा कि रियल एस्टेट सेक्टर में, आने वाले वर्षों में अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से वैश्विक कंपनियों को आकर्षित करने की उम्मीद है, जिससे नोएडा के कार्यालय बाजार का मूल्य और भी बढ़ेगा। हमारा अनुमान है कि अगले कुछ वर्षों में नोएडा में ग्रेड ए कार्यालय स्थान की वार्षिक मांग लगभग 2-3 मिलियन वर्ग फुट होगी, जो 2026 और उसके बाद दिल्ली एनसीआर की कुल लीजिंग गतिविधि का लगभग एक चौथाई होगी।

बता दें कि आज से 25 साल पहले 2001 में उत्तर प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री राजनाथ सिंह की ओर से जेवर में ग्रीनफील्ड इंटरनेशनल और एविएशन हब (टीआईएएच) का प्रस्ताव पेश किया था। साल 2014 और इसी साल इस योजना को नई उड़ान मिली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 26 नवंबर 2021 को यूपी में जेवर के पास नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की नींव रखी और करीब साढ़े 4 साल बाद एयरपोर्ट के पहले चरण का काम पूरा हुआ।

जब यह एयरपोर्ट पूरी तरह से बन जाएगा तब यह एशिया का सबसे बड़ा एयरपोर्ट बन जाएगा।

आईएलएंडएफएस ग्रुप की 50 कंपनियों को बड़ी राहत, इस मामले में नहीं खर्च करने होंगे पैसे

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने आईएलएंडएफएस ग्रुप की आर्थिक रूप से कमजोर (रेड और एंबर) 50 कंपनियों को कर्ज पर बढ़े ब्याज खर्च के कारण कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व या सीएआर से छूट दे दी है। इस आदेश से कर्ज में डूबे आईएलएंडएफएस समूह को करीब 50 ऐसी कंपनियों को फायदा होगा, जिन्हें 15 अक्टूबर, 2018 के एनसीएलएटी के आदेश के तहत अस्थायी राहत मिली हुई है।

दिख रहा था बनावटी मुनाफा* इन कंपनियों ने अपने बकाया कर्ज पर ब्याज जोड़ना बंद कर रखा है, जिससे उनके खातों में कंपनी अधिनियम की धारा 198 के तहत कागजी (दिखावटी) मुनाफा दिख रहा था। इसी मुनाफे के कारण ये कंपनियां अधिनियम की धारा 135 के तहत सीएसआर नियमों का पालन करने के लिए बाध्य हो रही थीं।

इस स्थिति को ठीक करने के लिए आईएलएंडएफएस समूह ने पिछले साल एनसीएलएटी में आवेदन देकर सीएसआर दायित्व से छूट मांगी थी।

बर्लिन, पेरिस तक पहुंच सकती हैं ईरान, लंबी दूरी की मिसाइलों के इस्तेमाल पर इजरायल ने यूरोप को चेताया

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायल-ईरान संघर्ष अब चौथे हफ्ते में प्रवेश कर चुका है और यह तेजी से वैश्विक स्तर पर फैलता जा रहा है। इजरायली अधिकारियों ने शनिवार को घोषणा की कि ईरान ने पहली बार लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलों का इस्तेमाल किया है, जिससे मिडिल ईस्ट से बाहर हमलों का खतरा बढ़ गया है।

इस बीच, ईरान की मिसाइलों ने इजरायल के दक्षिणी शहरों दिमोना और अराद को निशाना बनाया, जहां दर्जनों लोग घायल हो गए, जिनमें बच्चे भी शामिल हैं।

ईरान की लंबी दूरी की मिसाइल से डिएगो गार्सिया पर हमला- इजरायली सेना के प्रमुख जनरल एयाल जमीर ने कहा कि ईरान ने हिंद महासागर में स्थित अमेरिकी-ब्रिटिश सैन्य अड्डे डिएगो गार्सिया पर दो 4,000 किलोमीटर रेंज वाली बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। यह संघर्ष में ईरान की पहली ऐसी कार्रवाई है जो मिडिल ईस्ट से बाहर गई है। जमीर ने चेतावनी दी कि ये मिसाइलें इजरायल को निशाना बनाने के लिए नहीं थीं। इनकी रेंज यूरोपीय राजधानियों तक पहुंचती है। बर्लिन, पेरिस और रोम अब सीधे खतरे में हैं।

रिपोर्ट्स के अनुसार, दोनों मिसाइलें अपने लक्ष्य तक नहीं पहुंचीं। एक बीच में फेल हो गई और दूसरी को अमेरिकी जहाज ने इंटरसेप्ट करने की कोशिश की। ब्रिटेन ने इस हमले को नाकाम बताया और ईरान की कार्रवाई की निंदा की। यह हमला ऐसे समय हुआ जब ब्रिटेन ने अमेरिका को अपनी बेस का इस्तेमाल ईरानी मिसाइल साइटों पर हमले के लिए अनुमति दी थी।

ईरानी हमले में दर्जनों इजरायली घायल- शनिवार रात देर से ईरान की मिसाइलें इजरायल के दक्षिणी शहरों दिमोना और अराद पर गिरीं। इन हमलों में दर्जनों लोग घायल हुए, जिनमें बच्चे भी शामिल हैं। इजरायली सेना के प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल एफी डेफ्रिन ने एक्स पर पोस्ट किया कि एयर डिफेंस सिस्टम काम कर रहे थे, लेकिन ये हमले रोक नहीं पाए।

दिमोना के पास इजरायल का गुप्त परमाणु रिएक्टर स्थित है, जो करीब 13 किलोमीटर दूर है। दोनों शहरों के आसपास कई सैन्य ठिकाने हैं, ईरान के रिवॉल्यूशनरी गार्ड्स ने कहा कि उन्होंने सैन्य ठिकानों और सुरक्षा केंद्रों को निशाना बनाया।

ईरान में परमाणु साइट निशाने पर हमले जारी- ईरानी मीडिया ने बताया कि अमेरिका-इजरायल ने शनिवार सुबह नतांज संवर्धन परिसर पर हमला किया। कोई रेडियोएक्टिव रिसाव नहीं हुआ। इजरायल ने ऐसे हमले से इनकार किया, जबकि आईएईए जांच कर रहा है। ईरान ने यूएई और कुवैत में अमेरिकी बेस पर ड्रोन हमले किए।

सऊदी अरब ने ईरानी राजनयिकों को निष्कासित कर दिया। इजरायल ने तेहरान के आसपास बैलिस्टिक मिसाइल उत्पादन साइटों पर हमले किए।

परमाणु हथियारों से अमेरिका ने बताया खतरा, तो भड़क गया पाकिस्तान; भारत को लेकर कही ये बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान ने अमेरिकी खुफिया प्रमुख तुलसी गबार्ड के दावे को स्पष्ट रूप से खारिज कर दिया है, जिसमें पाकिस्तान की मिसाइल क्षमताओं को अमेरिकी क्षेत्र के लिए संभावित भविष्य का खतरा बताया गया था।

पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने इस आरोप को अनुचित और रणनीतिक वास्तविकता से दूर करार देते हुए जोर दिया कि उसका परमाणु और मिसाइल कार्यक्रम पूरी तरह से रक्षात्मक है और केवल पड़ोसी भारत के प्रति आत्मरक्षा पर केंद्रित है।

पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ताहिर हुसैन अंद्राबी ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि पाकिस्तान अमेरिकी अधिकारी द्वारा हाल ही में लगाए गए उस आरोप को स्पष्ट रूप से खारिज करता है जिसमें पाकिस्तान की मिसाइल क्षमताओं से संभावित खतरे का दावा किया गया है।

उन्होंने आगे कहा कि यह पूरी तरह से रक्षात्मक प्रकृति का है, जिसका उद्देश्य राष्ट्रीय संप्रभुता की रक्षा करना और दक्षिण एशिया में शांति और स्थिरता बनाए रखना है। अंद्राबी ने पाकिस्तान के मिसाइल कार्यक्रम की तुलना भारत से करते हुए कहा कि पाकिस्तान का मिसाइल कार्यक्रम, जिसकी मारक क्षमता अंतरमहाद्वीपीय सीमा से काफी कम है, भारत के प्रति विश्वसनीय न्यूनतम प्रतिरोध क्षमता के सिद्धांत पर दृढ़ता से आधारित है।

इसके विपरीत, भारत द्वारा 12,000 किलोमीटर से अधिक की मिसाइल क्षमता का विकास एक ऐसे पथ को दर्शाता है जो क्षेत्रीय सुरक्षा संबंधी विचारों से परे है और निश्चित रूप से पड़ोस और उससे परे के लिए चिंता का विषय है।

यह बयान अमेरिकी नेशनल इंटेलिजेंस डायरेक्टर तुलसी गबार्ड द्वारा बुधवार को सीनेट इंटेलिजेंस कमिटी के समक्ष पेश की गई रिपोर्ट के जवाब में आया है।

गबार्ड ने रूस, चीन, उत्तर कोरिया, ईरान और पाकिस्तान को उन देशों में शामिल किया जिनके उन्नत मिसाइल सिस्टम अमेरिकी को पहुंच में ला सकते हैं। पाकिस्तान के संदर्भ में उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल विकास संभावित रूप से अंतरमहाद्वीपीय तक पहुंच सकता है जो को निशाना बना सकें। रिपोर्ट में पाकिस्तान को कई श्रेणियों में खतरे के रूप में रखा गया है, जिसमें डिलीवरी सिस्टम की रेंज और सटीकता में वृद्धि शामिल है।

भारत की प्रतिक्रिया- भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रंधीर जायसवाल ने पाकिस्तान पर निशाना साधते हुए कहा कि पाकिस्तान के पास एक इतिहास है। उन्होंने गुप्त परमाणु प्रसार का इतिहास है, और ऐसी टिप्पणियां फिर से स्पष्ट करती हैं कि वे दुनिया के लिए किस तरह का खतरा पैदा करते हैं।

CoinDcx के फाउंडर सुमित गुप्ता और नीरज कौन हैं? जिन्हें पुलिस ने किया गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के प्रमुख क्रिप्टोकरेंसी एक्सचेंज CoinDCX के को-फाउंडर सुमित गुप्ता और नीरज खंडेलवाल को कथित धोखाधड़ी के एक मामले में ठाणे पुलिस ने बेंगलुरु से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारी के बाद दोनों को अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें सोमवार (23 मार्च) तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। यह पूरा मामला क्रिप्टोकरेंसी में निवेश और फ्रेंचाइजी देने के नाम पर हुई वित्तीय धोखाधड़ी से जुड़ा है। इस घटनाक्रम के बाद से ही क्रिप्टो जगत में हड़कंप मच गया है।

क्या है पूरा मामला और FIR के आरोप- ठाणे पुलिस के अनुसार, इस मामले में दोनों फाउंडर्स सहित कुल छह लोगों के खिलाफ FIR दर्ज की गई है। शिकायतकर्ता एक बीमा सलाहकार है, जिसने आरोप लगाया है कि उसके साथ 71.6 लाख रुपये की धोखाधड़ी हुई है।

शिकायतकर्ता के अनुसार, अगस्त 2025 से फरवरी 2026 के बीच उसे CoinDCX से जुड़ी फ्रेंचाइजी देने और निवेश पर भारी मुनाफे का झांसा दिया गया था। आरोपियों ने कथित तौर पर नकद और बैंक ट्रांसफर के जरिए शिकायतकर्ता से पैसे वसूले, लेकिन वादे के मुताबिक न तो कोई रिटर्न दिया गया और न ही फ्रेंचाइजी। पुलिस ने इस मामले में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

CoinDCX ने इन सभी आरोपों को सिरे से खारिज किया है और इसे कंपनी के खिलाफ एक साजिश करार दिया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर पर एक बयान जारी करते हुए कंपनी ने कहा कि यह FIR झूठी है। कुछ जालसाजों ने CoinDCX के फाउंडर्स बनकर आम जनता को ठगा है।

CoinDCX ने स्पष्ट किया कि जो भी फंड ट्रांसफर हुए हैं, वे थर्ड-पार्टी (तीसरे पक्ष) के खातों में गए हैं और उनका CoinDCX से कोई लेना-देना नहीं है। नकद लेनदेन का भी कंपनी से कोई संबंध नहीं है। कंपनी ने डिजिटल फाइनेंस इकोसिस्टम में बढ़ रहे साइबर फ्रॉड पर चिंता जताते हुए कहा कि 1 अप्रैल 2024 से 5 जनवरी 2026 के बीच उन्होंने 'http://coindcx.com' की नकल करने वाली 1,212 फर्जी वेबसाइट्स की रिपोर्ट की है।

वाराणसी में स्थित स्कंदमाता मंदिरः ज्ञान और वात्सल्य की देवी

माँ के आशीर्वाद से बन जाते हैं बिगड़े काम, स्कंदमाता का स्वरूप और पुराणों में वर्णन

दैनिक दिव्य संवाद/ सौरभ मिश्रा/ वाराणसी। वाराणसी के जेतपुरा में स्थित स्कंदमाता मंदिर (बागेश्वरी देवी) नवरात्रि के पांचवें दिन पूजी जाने वाली देवी दुर्गा का एक प्रमुख प्राचीन मंदिर है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, माँ पार्वती ने भगवान कार्तिकेय (स्कंद) को गोद में लेकर यहाँ देवासुर नामक राक्षस का विनाश किया था, जिसके बाद से वे यहाँ विराजमान हैं और भक्तों की रक्षा करती हैं।

नवरात्रि के पांचवें दिन माँ दुर्गा के स्कंदमाता स्वरूप की पूजा-अर्चना की जाती है।

वाराणसी के जैतपुरा स्थित प्राचीन स्कंदमाता मंदिर में भोर 4 बजे से ही श्रद्धालुओं का तांता लगना शुरू हो गया। यह मंदिर केवल नवरात्र में ही पूरे दिन खुलता है और माँ के दर्शन के लिए दूर-दूर से भक्त यहां पहुंचते हैं।

दो शब्दों से मिलकर बना है, स्कंद व माता- स्कंदमाता, देवी दुर्गा का पांचवां अवतार हैं। स्कंदमाता का नाम दो शब्दों से मिलकर बना है, स्कंद व माता और इसका अर्थ होता है - स्कंद की माता। स्कंद का अर्थ है कार्तिकेय, जो कि महादेव और माता पार्वती के पुत्र हैं। माता का अर्थ है मां और इसी प्रकार स्कंदमाता माता, पार्वती का ही एक रूप हैं।

मां स्कंदमाता की 4 भुजाएं हैं। मां एक हाथ में कार्तिकेय को पकड़े हुए हैं और उनके दूसरे व तीसरे हाथ में कमल का पुष्प है। अपने चौथे हाथ से स्कंदमाता अपने भक्तों को आशीर्वाद देती हैं। स्कंदमाता की सवारी एक शेर है। स्कंदमाता विशुद्धि चक्र की अधिष्ठात्री देवी हैं। विशुद्धि चक्र हमारे गले के उभरे हुए भाग के ठीक नीचे स्थित होता है।

पांचवें दिन स्कंदमाता की पूजा का महत्व- देवी पुराण और काशी खंड में वर्णन है कि स्कंदमाता, भगवान कार्तिकेय की माता हैं। शेर के सिंहासन पर विराजमान होकर मां भक्तों को दर्शन देती हैं। इन्हें विद्यावाहिनी, माहेश्वरी और गौरी के नाम से भी जाना जाता है। मान्यता है कि माँ के दर्शन और पूजन से भक्तों का तेज बढ़ता है और जीवन में आ रही बाधाएं समाप्त हो जाती हैं।

पीली वस्तु चढ़ाने की परंपरा- मंदिर में भक्त माता को गुड़हल, गेंदा, गुलाब, नारियल, चुनरी और पीली बर्फी अर्पित कर रहे हैं। विशेष रूप से पीली वस्तु चढ़ाने की परंपरा प्राचीनकाल से है। सुबह माता को पंचामृत स्नान कराया गया और भव्य श्रृंगार किया गया।

छात्र-छात्राओं की होती है विशेष भीड़- मंदिर परिसर में आज बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं भी दर्शन के लिए पहुंचे। महंत नें बताया कि माँ स्कंदमाता की पूजा करने से विद्या, तेज और आत्मबल की प्राप्ति होती है।

मंदिर के महंत का कहना है कि जैसे माँ अपने बच्चों को वात्सल्य देती हैं, वैसे ही देवी भक्तों पर कृपा बरसाती हैं। नवरात्र में माता के दर्शन के साथ ही दुर्गा सप्तशती और दुर्गा चालीसा का पाठ करने से घर में सुख-शांति और समृद्धि बनी रहती है।

गणपति नगर व इंदिरा नगर क्षेत्र में 350 फीट लंबी भव्य चुनरी यात्रा ने रचा इतिहास, शीतला माता मंदिर स्थापना के 10 वर्ष पूर्ण होने पर उमड़ा आस्था का सैलाब

नीमच। गणपति नगर व इंदिरा नगर क्षेत्र में रविवार 22 मार्च को आस्था, श्रद्धा और उत्साह का अद्भुत संगम देखने को मिला, जब माँ शीतला माता मंदिर की स्थापना के 10 वर्ष पूर्ण होने के पावन अवसर पर 350 फीट लंबी भव्य और ऐतिहासिक चुनरी यात्रा निकाली गई। इस दौरान क्षेत्र का माहौल पूरी तरह भक्तिमय हो गया और बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए।

नवदुर्गा महिला मंडल की अध्यक्ष पुष्पा सिसोदिया एवं सचिव बेला सोनी ने बताया कि इस विशेष अवसर को यादगार बनाने के लिए विशाल चुनरी यात्रा का आयोजन किया गया। यह यात्रा दोपहर 4ः30 बजे खेल मैदान परिसर (गैस गोदाम क्षेत्र, वार्ड क्रमांक 8) से प्रारंभ होकर गणपति नगर, इंदिरा नगर एवं न्यू इंदिरा नगर के विभिन्न मार्गों से होती हुई निकली।

यात्रा के दौरान जगह-जगह श्रद्धालुओं द्वारा पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया गया। पूरे मार्ग में माता रानी के जयकारों से वातावरण गूंज उठा। महिलाओं में चुनरी को पकड़ने के लिए विशेष उत्साह और होड़ देखने को मिली, जो इस आयोजन की विशेष आकर्षण रही।

भव्य यात्रा विभिन्न क्षेत्रों से होती हुई पुनः माँ शीतला माता मंदिर पहुंची, जहां विधि-विधान से पूजन-अर्चन कर माता रानी को चुनरी अर्पित की गई। इस अवसर पर मॉर्निंग क्लब इंदिरा नगर द्वारा श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद वितरण भी किया गया।

आयोजक नवदुर्गा महिला मंडल ने क्षेत्र की समस्त माताओं, बहनों एवं धर्मप्रेमी जनता का आभार व्यक्त किया। यह ऐतिहासिक चुनरी यात्रा न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक बनी, बल्कि इंदिरा नगर क्षेत्र में एक नई मिसाल भी स्थापित कर गई।

बकाया राजस्व वसूली सख्ती से हो-आयुक्त

देवास। नगर निगम राजस्व वसूली की टीम द्वारा राजस्व बकाया करों की वसूली शक्ति से की जाएगी। बकाया राजस्व को लेकर आयुक्त दलीप कुमार ने निगम राजस्व की टीम को निर्देशित करते हुए कहा है कि लोक अदालत में जिन बकायादारों ने अपने संपत्ति कर जल कर जमा नहीं किए हैं उनसे संपर्क कर बकाया कर जमा करवाएं।

बकाया करों की वसूली में कार्रवाई- वार्ड क्रमांक 28 में शरद त्रेहन पर 2 लाख 18 हजार से अधिक बकाया राशि, वार्ड क्रमांक 17 आदम हाजी कासम पर 72 हजार से अधिक बकाया संपत्ति कर, वार्ड क्रमांक 24 दिलशाद खान 2 लाख 46 हजार से अधिक, संपत्ति कर बकाया होने पर दुकान पर तालाबंदी, वार्ड 31 अब्दुल रहीम खान पिता अब्दुल करीम खा हस्ते जाहिद हुसैन अहमद हुसैन पर 52 हजार से अधिक राशि संपत्ति कर बकाया होने पर कुर्की की कार्रवाई के दौरान एक्टिवा गाड़ी जप्त की

नोटिस - शासन के निर्देश अनुसार 1 अप्रैल से बकाया संपत्ति कर की राशि जमा नहीं करने पर दोगुनी राशि हो जावेगी।

- नगर निगम द्वारा अवकाश के दिनों में भी संपत्ति कर और जलकर के काउंटर खुले रहेंगे।

- लोक अदालत में जिन बकायादारों ने अपना संपत्ति कर जमा नहीं किया है अब उनसे सख्ती से वसूली की जावेगी।

नगर निगम आयुक्त की अपील - नगर निगम आयुक्त ने बकाया करदाताओं से अपील की है कि वह अपना बकाया संपत्ति कर जलकर 31 मार्च के पहले जमा कर कुर्की एवं दुकान तालाबंदी जैसी अप्रिय कार्रवाई से बचें।

महामाया भादवामाता के दरबार में उमडा आस्था का सैलाब

नीमच। मालवा की वैष्णोदेवी के नाम से प्रसिद्ध नीमच जिले में स्थित महामाया भादवामाता मंदिर में नवरात्रि मेला चल रहा है। बीते दिन कल नवरात्री के चौथे दिन रविवार को माताजी के दर्शन के लिए आस्था का सैलाब उमडा। सुबह से लेकर शाम तक हजारों भक्त दर्शन कर चुके थे। भक्तों की भीड को लेकर पुलिस प्रशासन को अतिरिक्त पुलिस बल तैनात करना पडा। एक तो नवरात्री है वहीं उपर से रविवार। रविवार को सामान्य दिनों की तुलना में भक्तों की संख्या ज्यादा रहती है। इस लिहाज से 22 मार्च 2026 को रविवार को भक्तों की संख्या ने सारे रिकार्ड ध्वस्त कर दिए।

माताजी की ख्याति दूर–दूर तक फैली- महामाया भादवामाता की ख्याति दूर–दूर तक फैली है। माताजी के दर्शन के लिए नवरात्री पर्व के दौरान भक्त उमड रहे है। माताजी की शक्ति बहुत है। साक्षात दर्शन देती है। माताजी के दर्शन मात्र से ही भक्तों के कष्ट दूर हो जाते है और मनचाही मन्नतें पूरी होती है। माताजी के चमत्कार से लाखों लोग वाकिब है।

कंधो के सहारें आते है, खुद चलकर जाते है - माताजी के दरबार में लकवा ग्रस्त रोगी ठीक होते है। मंदिर पांच सौ साल पुराना है। सदियों से माताजी भक्तों की रक्षा करती चली आ रही है। माताजी मंदिर परिसर में एक बावडी स्थित है, बावडी का पानी दवा के रूप में काम करता है। जिनको लकवा मार जाता है, माताजी के दरबार में उसे लाते है और चंद दिनों में ही उसे बावडी के पानी से नहाने से ठीक हो जाता है। यही कारण है कि माताजी के दरबार में लकवाग्रस्त रोगियों की संख्या हमेशा में रहती है। मंदिर परिसर में ही उन्हें माताजी के आसरे रखा जाता है। चमत्कार है कि रात के समय माताजी मंदिर परिसर में भ्रमण करती है और रोगी को स्पर्श कर ठीक कर देती है। सुबह रोगी उठकर देखते है तो हाथ–पैर सही सलामत काम करते हुए नजर आते है।

माताजी सुरक्षा कवच बनकर करती है भक्तों की रक्षा– मां भादवामाता अपने भक्तों की रक्षा स्वयं करती है। अदृश्य शक्ति के रूप में भक्त के आसपास रहती है, उस पर आने वाली विपत्ति को दूर कर देती है। अनगिनत लोगों की रक्षा माताजी ने की है। मध्यप्रदेश, राजस्थान, गुजरात सहित देश के कौने–कौने से भक्त माताजी के दर्शन करने के लिए पहुंच रहे है।

श्री वीर हनुमानजी यात्रा का निमंत्रण और पीले चावल मातृशक्ति दल घर–घर भेंट करेगा

मंदसौर। श्री हनुमानजी जन्मोत्सव के एक दिवस पूर्व एक अप्रैल को श्री तलाई वाले बालाजी मंदिर परिसर से निकलने वाली श्री हनुमान यात्रा में सम्मिलित होने के लिए घर-घर जाकर आयोजन समिति से जुड़ी हुई मातृशक्ति का दल निमंत्रण पत्र एवं पीले चावल भेंट करेगा। और सभी से यात्रा में आधिकारिक संख्या में सम्मिलित होने का अनुरोध किया जाएगा। श्री खाटू श्याम मंदिर के सभागार में अनीता दीदी किन्नर गुरु के सानिध्य में श्री वीर हनुमान यात्रा आयोजन समिति की मातृशक्ति समूह की बैठक संपन्न हुई जिसमें बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल थी। आयोजन समिति के द्वारा बैठक में उपस्थित महिलाओं को निमंत्रण पत्रक और पीले चावल की थैलियां प्रदान की गई। उल्लेखनीय है कि मातृशक्ति समूह की प्रथम बैठक में ही यह निर्णय ले लिया गया था कि 1 अप्रैल को निकलने जा रही श्री वीर हनुमान यात्रा का सभी मातृशक्ति नगर में विभिन्न क्षेत्रों में अलग-अलग समूह में घर-घर जाकर निमंत्रण पत्र एवं पीले चावल भेंट करेंगी और नगर के परिवारों से अधिक से अधिक संख्या में यात्रा में सम्मिलित होने का आग्रह किया जाएगा।

कांग्रेस ने खेत में किया प्रर्दशन : किसानों के गेहूं का भाव 2700 से 3000 रुपये क्विंटल एवं बोनस 200 से 300 रुपये की मांग

मंदसौर। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ, मोहन यादव द्वारा किसानों को बोनस के रुपये 40 रुपये दिए जाने से आक्रोशित किसानों के साथ कांग्रेस नेताओ ने रविवार को

मल्हारगढ़ विधानसभा क्षेत्र में कई गेहूं के खेतो में जाकर किसानों से चर्चा की। किसानों को पुष्पमाला पहनाकर उनका सम्मान भी किया। कांग्रेस नेताओ ने किसानों के साथ गेहूं के खेत मे किसानों को पुष्पमाला भी पहनाई ओर कहा कि आप धन्य है कि उपज ओने पोने दामो में बिकने के बाद भी आप गेहूं की खेती कर रहे हो और लोगो का पेट भर रहे हो। इसके साथ ही किसानों एवं कांग्रेसजनों ने हाथों में तख्तियां भी ले रखी थी, जिस पर लिखा था÷ शर्म करो गेंहू पर 40 रुपये बोनस यह तो ऊंट के मुंह मे जीरा भी नही है।

इस मौके पर किसान कन्हैयालाल ररोतिया ने बताया कि मेने 4 बीघा में गेहूं बोए है। मंडी में गेहूं 1800 से 2200 रुपये ही बिक रहे है, वही मजदूर गेहूं काटाई जे 4000 से 4500 सौ रुपये बीघा की कटाई के ले रहे है। महंगा खाद, बीज कीटनाशक मेहनत के बाद भी लागत मूल्य नही मिल पा रहा है। किसान कर्ज में डूबता जा रहा है। घर परिवार चलाना, बच्चों की पढ़ाई, लिखाई सामाजिक कार्यो को करने के लिए उधार लेकर काम चलाना पड़ रहा है। किसान विष्णु ररोतिया ने कहा कि क्षेत्र में विगत माह तेज बारिश व ओलावृष्टि से कई गांवों में अफीम, गेहूं, चने की व अन्य फसले पूरी तरह चौपट हो गई। प्रदेश के डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा ने स्वयं फसल नुकसानी को देखा था, उसके बाद भी आज तक किसानों के खाते में किसी प्रकार का कोई मुआवजा नही आया। प्रदेश कांग्रेस के सचिव परशुराम सिसौदिया ने कहा कि मध्यप्रदेश की भाजपा की सरकार किसान विरोधी होकर पूंजीपतियों की सरकार है। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने किसानों को गेहूं पर मात्र 40 रुपये बोनस देकर जले पर नमक छिटकने का काम किया है। किसानों को गेहूं का भाव 3000 रुपये प्रति क्विंटल मिलना चाहिए साथ बेमौसम बारिश व ओलावृष्टि से प्रभावित किसानों को तत्काल मुआवजा दिया जाना चाहिए।मल्हारगढ़ ब्लॉक कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष अनिल शर्मा ने कहा कि भाजपा की सरकार में सबसे ज्यादा दुःखी एवं परेशान अन्नदाता किसान है किसानों को गेहूं का बोनस 200 से 300 रुपये मिलना चाहिए और भाव 3000 रुपये। इसको लेकर मध्यप्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष जीतू पटवारी लगातार भाजपा सरकार को जगाने का काम कर रहे है। जिला कांग्रेस के उपाध्यक्ष लियाक़त मेव ने कहा कि किसान हित में अच्छे भावों को लेकर कांग्रेस किसानो के साथ एक बड़ा आंदोलन करेगी। इस मौके पर मंडलम अध्यक्ष दिनेश गुप्ता काचरिया, कांग्रेस नेता भेरु पप्पू गुर्जर अनिल मुलासिया, सेक्टर अध्यक्ष सुरेन्द्रसिंह शक्तावत, राहुल धनगर, किसान कन्हैयालाल ररोतिया, विष्णु ररोतिया, बाबू खां मेवाती आदि मौजूद थे।

ल्जर लैंड लेवलर से किसान होंगे लाभान्वित

शाजापुर। कृषि विज्ञान केंद्र प्रक्षेत्र में फार्म डेवलपमेंट अंतर्गत 21 मार्च एवं 22 मार्च 2026 को उन्नत कृषि यंत्र लेजर लैंड लेवलर का प्रदर्शन किया गया है। किसान भाई कृषि विज्ञान केंद्र शाजापुर आकर इस उन्नत कृषि यंत्र का प्रदर्शन देख सकते हैं।

कृषि विज्ञान केंद्र प्रभारी डॉ. एसएस धाकड़ ने बताया कि यह आधुनिक कृषि यंत्र भूमि को समतल करने की सबसे प्रभावी तकनीक है जो कि लेजर-गाइडेड तकनीक पर काम करता है। इसमें लेजर ट्रांसमीटर (लेजर किरणें भेजने वाला), रिसीवर, कंट्रोल बॉक्स और बकेट (मिट्टी हटाने वाला ब्लेड) मुख्य भाग होते हैं। लेजर लैंड लेवलर ट्रांसमीटर से लेजर किरणें निकलती हैं, जो रिसीवर द्वारा प्राप्त की जाती हैं। कंट्रोल बाक्स के माध्यम से यह मशीन स्वचालित रूप से खेत की ऊंची और नीची जमीन का पता लगाकर मिट्टी को सही जगह फैलाती है। डॉ. धाकड़ लेजर लैंड लेवलर के फायदे बताते हैं कि इस तकनीक से समतल खेत में पानी समान रूप से बंटता है, जिससे सभी पौधों को एक समान पानी मिलता है एवं 20-30 प्रतिशत सिंचाई पानी की बचत होती है एवं जल संरक्षण होता है तथा इस तकनीक में बेहतर जल निकासी होने से बारिश का अतिरिक्त पानी आसानी से निकल जाता है, जिससे फसल खराब होने का खतरा कम होता है। पारंपरिक तरीकों की तुलना में यह मशीन बहुत कम समय में सटीक लेवलिंग करती है, जिससे ट्रैक्टर के ईंधन और लेबर की लागत कम होती है। जमीन लेवल पर होने से कोई भी कृषि कार्य एवं कृषि क्रियाएं, जैसे- खेत की तैयारी, खेत की बुवाई या फसल कटाई आसान से हो जाती है। समतल खेत के कारण पानी और पोषक तत्व पूरे खेत में समान रूप से वितरित होते हैं, जिससे फसल की पैदावार में 20 प्रतिशत तक की वृद्धि देखी गई है।

सिंगोलीः सरकारी गुरुजी का खूनी खेल, पट्टे की जमीन के विवाद में किसानों पर सबल से हमला

सिंगोली। शिक्षा के मंदिर में ज्ञान बांटने वाले एक सरकारी शिक्षक जब दबंग की भूमिका में आ जाए, तो रक्षक ही भक्षक बन जाता है। मामला सिंगोली थाने के ग्राम अरनिया का है, जहां एक सरकारी शिक्षक सोहनलाल धाकड़ पर किसानों की निजी भूमि पर कब्जा करने और विरोध करने पर जानलेवा हमला करने का गंभीर आरोप लगा है।

विवाद की जड़ः लाल पत्थर और अवैध कब्जा- पीड़ित किसानों के अनुसार, ग्राम अरनिया के सरकारी मास्टर सोहनलाल पिता प्यारचंद धाकड़ ने करीब दो महीने पहले 6 किसानों की पट्टे वाली जमीन पर लाल पत्थर डालकर अवैध रूप से कब्जा करने की कोशिश की थी। किसानों ने कानूनी रास्ता अपनाते हुए तहसील कार्यालय में आवेदन देकर जमीन की सरकारी नपाई करवाई। प्रशासन द्वारा जमीन किसानों की पाए जाने के बाद शिक्षक सोहनलाल आगबबूला हो गया।

सबल से जानलेवा हमला, दो किसान गंभीर- बीती 14 मार्च 2026 को विवाद तब खूनी संघर्ष में बदल गया जब आरोपी सोहनलाल ने लोहे की सबल (भारी रॉड) से किसानों पर हमला कर दिया। इस हमले में अशोक धाकड़ पिता रामलाल,ओमप्रकाश धाकड़ पिता रामलाल दोनों किसान गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। हमले का एक रोंगटे खड़े कर देने वाला वीडियो भी सामने आया है, जिसमें आरोपी साफ तौर पर हिंसा करता दिखाई दे रहा है।

पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल- घटना के इतने दिन बीत जाने के बाद भी आरोपी शिक्षक खुलेआम घूम रहा है। पीड़ितों का आरोप है कि सिंगोली थाना पुलिस ने वीडियो साक्ष्य देखने के बाद स्नढ्ढक्र तो दर्ज की, लेकिन गिरफ्तारी नहीं कर रही। पीड़ितों का दावा है कि पुलिस विभाग आरोपी से सांठगांठ कर उन पर दबाव बना रहा है। सरकारी सेवा में होने के बावजूद आरोपी पर अब तक कोई विभागीय अनुशासनात्मक कार्रवाई नहीं हुई है।

पाप करना छोड़ दो पुण्य करने की जरूरत नहीं पड़ेगी - महामंडलेश्वर भास्करानंद जी

देवास। अधर्म के द्वारा अर्जित संपत्ति शांति का नाश करती है पवित्रता से कमाए धन धर्म में लगाने से कलयुग का क्षीण होता है। भगवान को भोग लगने वाला भोजन प्रसाद हो जाता है उसमें पवित्र गुण विकसित होने के कारण वो तन मन को शुद्ध करते आप में श्रेष्ठ आचारों का समावेश करता है। हम अच्छे गुरु की तलाश में रहते है किंतु जब अच्छे शिष्य बन जाओगे तो तुम्हे अच्छा गुरु नारायण के रूप मेल जायेंगे।

परीक्षित के मोक्ष मार्ग प्रशस्त के लिए शुकदेव मुनि जैसे संत का मिलना ही नारायण की कृपा थी परीक्षित अर्थात जिसके चारों ओर परीक्षा परीक्षा है वो हर इंसान परीक्षित है। बिना गुरु के न तो हरि कृपा प्राप्त होती है नहीं मोक्ष का रास्ता दिखाई देता है। भक्ति की प्राप्ति के तीन चरण है श्रवण, कीर्तन और ध्यान। जगत और जगदीश दोनों की महिमा कानों से मिलती है। शास्त्र को सुनोगे तो पता चलेगा कि ये संसार क्या है। भजन से ईश्वरीय संबंध बनता है। इसलिए संसार की बजाय ईश्वर के रिश्ता जोड़ने अच्छा है । हरि से जो रिश्ता जोड़ता है हरि उसको हारने नहीं देता है। पाप और पुण्य दोनों का हम चिंतन करते है जैसे गंगा को गंदा करना पाप है तो उसे गंदा नहीं करना पुण्य है।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक अशोक त्रिपाठी मो: 9425379389 द्वारा एमआईजी ए-17/1, वेद नगर, नानाखेडा, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित कर प्रियंका ऑफसेट, 2/10 पिपलीनाका, भैरुगढ रोड, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित, सम्पादक : अभय नरवरिया मो: 9584111186 (सभी वाद-विवादों का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)